हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 19 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 38.0 डिग्री से.
न्यूनतम 31.0 डिग्री से.

8 ईमानदारी-सकारात्मक सोच अपनाने के लिए...

8 आधुनिक शिक्षण पद्धतियों व रचनात्मक...

खबर संक्षेप

संदिग्ध हालात में ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

जींद। गांव घसो कलां के फाटक के निकट संदिग्ध हालात में एक व्यक्ति ने रेलगाड़ी के आगे जान दे दी। रेलवे थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घसो कलां निवासी इंद्र (42) ने शनिवार को सुबह गांव के निकट रेलगाड़ी के आगे छलांग लगा दी। जिसमें इंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतक के परिजनों का कहना था कि सब कुछ ठीक था। इंद्र ने यह कदम क्यों उठाया, यह परिजनों की समझ से परे था।

हथियारों से हमला कर तीन को किया घायल

जींद। गांव मालसरी खेड़ा में रंजिशन तेजधार हथियारों से हमला कर तीन लोगों को घायल करने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव मालसरीखेड़ा निवासी आजाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बलवान परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते उनकी बलवान परिवार से कहासुनी हो गई। उसी दौरान बलवान परिवार ने उस पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया।

गांव गुलकनी में रक्तदान शिविर आज

जींद। गांव गुलकनी के शहीदी स्मारक पर रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रदीप रेढू ने बताया कि इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ गुलकनी गांव के सरपंच हरजिंदर करेंगें और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच जयदीप गुलकनी करेंगे। युवा विकास समिति जींद के महासचिव विनोद शर्मा, संयोजक प्रवीण सैनी ने बताया कि यह रक्तदान शिविर सुबह नौ बजे से शुरू होकर दो बजे तक चलेगा। सभी रक्तदाता समय पर पहुंचकर रक्तदान करें। क्योंकि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है।

घर का ताला तोड़कर जेवर और नकदी चोरी

जींद। रोहतक रोड सुभाष नगर में बीती रात चोरो ने मकान का ताला तोड़ कर सोना, चादी के जेवरात तथा चार लाख रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर शहर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुभाष नगर निवासी सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात वह परिवार समेत बाहर गया हुआ था। पीछे से चोरो ने मकान का ताला तोड़ कर सोना, चांदी के जेवरात तथा चार लाख रुपये की नकदी को चोरी कर लिया।

दो बाइकों की टक्कर में आठ वर्षीय बच्ची घायल

कैथल। गांव पाई में तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चालक ने दूसरी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार एक 8 साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। पूंडरी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में बलिंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को भाई जयपाल बेटियों को बाइक पर स्कूल छोड़ने जा रहा था।

छह गांवों के किसानों में भारी रोष, फसल सूखने का खतरा

सात दिन मिलना था नहरी पानी, मिला सिर्फ तीन दिन

किसानों ने की पानी की मांग, अधिकारियों पर लगाए अनदेखी के आरोप

अलेवा। बधाना माइनर में नहरी पानी नहीं आने के कारण विरोध जताते छह गांवों के किसान। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अलेवा

बधाना माइनर पर शेडयूल के हिसाब से नहरी पानी नहीं मिलने के विरोध स्वरूप छह गांवों के किसानों ने शनिवार को सरकार के खिलाफ रोष जताया। किसानों का कहना था कि बधाना माइनर पर नहरी पानी के 40 दिन में सात दिन चलने का शेड्यूल होने के बावजूद भी बेमुश्किल से तीन दिन ही किसानों को नहरी पानी मिल रहा है। जिसके कारण छह गावों के किसानों में सरकार तथा विभाग के खिलाफ रोष है। धनखेड़ी, बधाना, भौंसला आदि छह गांवों के किसानों का कहना है कि बधाना माइनर पर शैडयूल के हिसाब से नहरी पानी नहीं मिलने से धान की फसल सूखने लगी है। जैसे-तैसे करके किसान फसल बचाने के लिए निजी साधनों और किराये के पंपों के माध्यम से पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। इससे खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि शीघ्र ही माइनर में शैडयूल के हिसाब से पानी नहीं छोड़ा गया तो धान की फसल बिलुकल सूख जाएगी और इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा। जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने बताया कि पहले कुछ हद तक इस समय किसानों को माइनर में पानी उपलब्ध हो जाता था। लेकिन इस बार विभाग के उच्चाधिकारियों को सूचित करने के बावजूद भी अब तक माइनर में पानी नहीं आने से खेती पूरी तरह भगवान भरोसे है। उनका कहना है कि धान की खेती पूरी तरह सिंचाई पर निर्भर है और यदि समय पर पानी उपलब्ध नहीं कराया गया तो फ सल की शुरुआत ही प्रभावित हो जाएगी।

आंदोलन के लिए मजबूर न करें

किसानों ने सरकार और सिंचाई विभाग से मांग की है कि बधाना माइनर में शैडयूल के हिसाब से पानी छोड़ा जाए ताकि किसानों की फसल पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पानी की व्यवस्था नहीं हुई तो उन्हें आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि विभाग उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान करेगा।

दो गाड़ियों के बीच भिड़ंत में महिला की मौत, चार घायल

पंजाब के नकोदर दरबार से आ रहे थे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

पंजाब के नकोदर दरबार से शुक्रवार को माथा टेककर वापस लौट रहे कलायत के श्रद्धालुओं की कार को बरटा रेस्ट हाउस के पास गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में कलायत

निवासी निशा गुप्ता (50) की मौत हो गई। जबकि कार में सवार चार अन्य लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आरोपी चालक कुछ देर के लिए रुका, लेकिन घायलों की हालत देखकर कार सहित मौके से फरार हो गया। मामले में कैथल सदर थाना पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कलायत निवासी मोनिका रानी ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह, सजीव यादव, सरिता धीमान, निशा गुप्ता और रिंकू धीमान के साथ ऑल्टो कार में नकोदर दरबार से वापस लौट रहे थे। सभी भजन गाते हुए घर की ओर आ रहे थे। सुबह करीब सवा 2 बजे जब उनकी कार बरटा रेस्ट हाउस के पास पहुंची तो सामने से एक कार तेज रफ्तार में गलत दिशा से आती दिखाई दी। इससे पहले कि चालक संभल पाता, सामने वाली कार ने उनकी कार में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर के बाद उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने फुटपाथ और लोहे के एंगल से जा टकराई।

अज्ञात चालक के खिलाफ केस

हादसे के दौरान रिंकू धीमान चलती कार से बाहर जा गिरा। दुर्घटना के बाद दूसरी कार का चालक कुछ दूरी पर रुका और मौके पर आया, लेकिन गंभीर रूप से घायल निशा गुप्ता को देखकर बिना किसी मदद के अपनी कार लेकर फरार हो गया। राहगीरों और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को कैथल के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने निशा गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है। जांच अधिकारी एएसआई सुनील ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद। खेत में रोपी गई धान फसल। फोटो :हरिभूमि

जींदः उमस भरी गर्मी ने किया आमजन को बेहाल

जींद। पिछले एक सप्ताह से पड़ रही उमसभरी गर्मी ने आमजन का जीना मुहाल कर दिया है। हालांकि शनिवार को सुबह कुछ समय के लिए ठंडी हवाएं चली लेकिन उसके बाद निकली तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया। शनिवार को अधिकतम 38 डिग्री व न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया। जबकि मौसम में आद्रता 42 प्रतिशत व हवा की गति दस किलोमीटर प्रति घंटा रही। मौसम विभाग के अनुसार 20 जुलाई से मानसून फिर से सक्रिय होने की संभावना है। इसके बाद आगामी एक सप्ताह तक अच्छी बारिश होगी और तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। बारिश नहीं होने के कारण किसान भी परेशान हैं और महंगा डीजल फूंक कर धान की रोपाई का कार्य करना पड़ रहा है। जिससे लागत बढ़ रही है। किसान भी आसमान की तरफ टकटकी लगाए देख रहें हैं कि जल्द बारिश हो और धान रोपाई का कार्य पूरा हो। इसके अलावा बाजरा, नरमा, ज्वार, मूंग और ग्वार की फसल में भी पानी की किसान आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

महिला की मौत, मायका पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

जींद। उचाना मंडी में वीरवार शाम को एक महिला की मौत हो गई। महिला के मायका पक्ष के लोगों ने पति पवन व उसकी भाभी मोनिका पर उनकी बेटी की हत्या करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के कृष्णा विहार निवासी पारस जैन ने कहा कि उसकी दो साल पहले बेटी मोनिका की शादी उचाना मंडी निवासी पवन के साथ की थी। पवन की उचाना मंडी में जय माता स्वीट्स के नाम से दुकान है। शादी के कुछ समय बाद ही उनकी बेटी मोनिका ने अपने पति के चरित्र पर संदेह होने के चलते उनको बात बताई। जैन ने कहा कि शुरुआत में उन्होंने सोचा कि छोटी-मोटी बात हो जाती हैं तो ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया था।

अवैध रूप से रखी प्रतिबंधित 100 अल्प्राजोलम दवा बरामद

एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

एंटी नारकोटिक सेल कैथल ने ड्रग कंट्रोल विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक दवा दुकान पर छापेमारी कर एनडीपीएस एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी एसआई प्रदीप सिंह को ड्रग कंट्रोल ऑफिसर चेतन वर्मा द्वारा सूचना दी गई कि सिविल सर्जन कैथल के आदेशों के तहत उनकी टीम ने सिरटा रोड, गली नंबर-4 स्थित एक बिना लाइसेंस संचालित दवा दुकान की जांच की है। जांच के दौरान दुकान से प्रतिबंधित अल्प्राजोलम टैबलेट बरामद हुई हैं। सूचना मिलते ही एएसआई जसमेर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ड्रग कंट्रोल विभाग की टीम, जिसमें डॉ. सचिन मंडले, डॉ. अजय कुमार तथा ड्रग कंट्रोल ऑफिसर चेतन वर्मा शामिल थे, ने पुलिस को बताया कि उक्त दुकान पर अवैध रूप से एमटीपी किट तथा अन्य एलोपैथिक दवाओं के भंडारण एवं बिक्री की शिकायत के आधार पर निरीक्षण किया गया था।

न्यायिक हिरासत में भेजा

जांच के दौरान दुकान पर मौजूद राजेश कुमार निवासी नानकपुरी कॉलोनी, खुराना रोड, कैथल से दवा विक्रय लाइसेंस एवं संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध लाइसेंस अथवा रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। तलाशी के दौरान दुकान से अल्प्राजोलम की 100 टैबलेट बरामद हुई। इसके अतिरिक्त ड्रग कंट्रोल विभाग ने 48 एमटीपी किट सहित अन्य एलोपैथिक दवाओं को भी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की। ड्रग कंट्रोल ऑफिसर की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज करके एएसआई जसमेर सिंह द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

जींद के नीट टॉपर रहे उदयभानू प्रताप

जींद। जींद के नीट टॉपर उदय भानु प्रताप ने नीट यूजी 2026 में प्रथम प्रयास में ऑल इंडिया रैंक 363 प्राप्त कर और जिले में नीट टॉपर बनकर परिवार एवं गांव सिंधवी खेड़ा का नाम गौरवान्वित किया है। उदय भानु प्रताप बचपन से ही एक मेधावी एवं प्रतिभाशाली छात्र रहे हैं।

उन्होंने इंडस स्कूल जींद से 10वीं कक्षा में 98 % अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया तथा 12वीं में 95 % अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसके साथ ही जेईई मेन में 99.2 % प्राप्त कर असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। अपने बड़े भाई सूरज प्रताप सिंह एमबीबीएस छात्र पीजीआईएमएस रोहतक के पदचिह्नों पर चलते डॉक्टर बनने का लक्ष्य निर्धारित किया और प्रथम प्रयास में ही यह शानदार सफलता अर्जित की। यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और माता-पिता व गुरुजनों के मार्गदर्शन और सहयोग का परिणाम है तथा भविष्य में उदय भानु प्रताप न्यूरोसर्जन बन कर देश की सेवा करना चाहता है। संपूर्ण परिवार एवं समस्त संबंधी और गांव को उन पर गर्व है। उदय भानु प्रताप पढ़े-लिखे और संस्कारी परिवार से संबंध रखते हैं। इनके दादा धर्मपाल कटारिया पूर्व प्रदेश सचिव कांग्रेस पार्टी हरियाणा ने अभी हाल में 74 साल की उम्र में विवि जींद से एलएलबी की परीक्षा 82 % से उत्तीर्ण की है। इनके पिता रविंदर सफल व्यवसायी हैं। इनकी दादी सुशीला देवी सेवानिवृत्त अध्यापिका हैं। माता अनीता रानी भंभेवा गांव में सरकारी स्कूल में लेक्चरर हैं।

अस्पताल में वारदात होने पर देखी जा सकेगी सीसीटीवी फुटेज

नागरिक अस्पताल की थर्ड आई दुरूस्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल नई बिल्डिंग की थर्ड आई सुरक्षा ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है। पिछले चार माह से भी अधिक समय से नई बिल्डिंग में लगाए गए सीसी टीवी कैमरे बंद थे। ऐसे में अगर अस्पताल में चोरी या फिर कोई अन्य वारदात होती थी तो सीसी टीवी फुटेज को नहीं देखा जा सकता था और न ही आरोपितों को पहचाना हो सकती थी। कैमरों को लेकर संबंधित एजेंसी को स्वास्थ्य विभाग द्वारा पत्र लिख कर इन्हें सुचारू रूप से संचालिक करने के लिए कहा गया था। जिस पर कैमरों को इंजीनियर ने ठीक कर दिया है और डिप्टी एमएस कार्यालय में मौजूद डिवाइडर में 2 टीबी हार्ड डिस्क लगा दी है। जिससे 20 से 25 दिन का बैकअप स्टोर रहेगा। इस अवधि के बाद ऑटो डिलीट ऑप्शन के तहत रिकोर्डिंग खुद डिलीट होती चली जाएगी। नागरिक अस्पताल में सुरक्षा की दृष्टि से जगह-जगह कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं। इन कैमरों पर नजर रखने के लिए डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला के कमरे में एलईडी स्क्रीनें लगाई गई हैं। जब भी कोई वारदात होती है तो इन कैमरों के माध्यम से सीसी टीवी फुटेज को देखा जाता है। इसके लिए स्पेशल कर्मियों की ड्यूटियां भी लगाई गई हैं। पिछले चार माह से यह कैमरे बंद थे। यह कैमरे तो नागरिक अस्पताल के हैं लेकिन इन कैमरों का रखरखाव का ठेका दिया गया है। नागरिक अस्पताल में वाहर चोरी होना तो आम बात है। इसके अलावा दवा व ओपीडी पर्ची के लिए लगी लाइनों में भी कई बार जेब तराश वारदात को अंजाम दे देते हैं। साथ ही ठेके पर लगे कर्मियों व आउटसोर्स कर्मियों पर नजर रखने के लिए भी कैमरों का प्रयोग किया जाता है।

कैमरों की रिकार्डिंग अवधि को बढ़वाया

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि अस्पताल की नई बिल्डिंग में लगे सीसी टीवी कैमरों को ठीक करवा दिया गया है। कैमरों ने काम करना शुरू कर दिया है। कैमरों की रिकार्डिंग अवधि को बढ़वाया गया है।

(फीचर इम्पैक्ट)

B.Sc. (Hons.) Agriculture : आधुनिक कृषि शिक्षा के साथ सुनहरा भविष्य

भारत एक कृषि प्रधान देश है और आज भी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा कृषि पर आधारित है। देश की लगभग 46% कार्यशील आबादी (Workforce) प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि एवं इससे जुड़े क्षेत्रों पर निर्भर है, जबकि कृषि का भारतीय अर्थव्यवस्था (GDP) में लगभग 16–18% योगदान है। भारत विश्व के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल है और दूध, मसाले, दालें, फल एवं कई कृषि उत्पादों के उत्पादन में अग्रणी स्थान रखता है।

बदलते समय के साथ कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान, एग्री-टेक, जैविक खेती (Organic Farming), प्रिसिजन फार्मिंग (Precision Farming), ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), क्लाइमेट-स्मार्ट फार्मिंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों का तेजी से विकास हो रहा है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत को कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में लगभग 10 लाख प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में उपलब्ध कुशल मानव संसाधन इसकी तुलना में काफी कम है। कृषि शिक्षा, एग्री-टेक, फूड प्रोसेसिंग, क्लाइमेट-स्मार्ट फार्मिंग और एग्री-बिजनेस के तेजी से विस्तार के कारण आने वाले वर्षों में प्रशिक्षित कृषि स्नातकों की मांग और बढ़ने की संभावना है।

यही कारण है कि B.Sc. (Hons.) Agriculture आज 12वीं के बाद सबसे अधिक संभावनाओं वाले प्रोफेशनल कोर्सों में से एक माना जाता है। आज कृषि केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, तकनीक और प्रबंधन का समन्वय बन चुकी है। आधुनिक कृषि शिक्षा विद्यार्थियों को फसल उत्पादन, मृदा विज्ञान, पौध संरक्षण, बागवानी, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विपणन, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि अनुसंधान और एग्री-बिजनेस जैसे विषयों का गहन ज्ञान प्रदान करती है।

यदि विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें ऐसे संस्थान का चयन करना चाहिए जहां आधुनिक प्रयोगशालाएं, कृषि फार्म पर फील्ड ट्रेनिंग, अनुभवी संकाय और उद्योगोन्मुख शिक्षा उपलब्ध हो।

इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी (OSGU), हिसार का School of Agriculture विद्यार्थियों को आधुनिक, उद्योगोन्मुख एवं कौशल आधारित कृषि शिक्षा प्रदान कर रहा है।

OSGU में B.Sc. (Hons.) Agriculture एक UGC-Recognized Degree है। यह Government of Haryana द्वारा Approved Program है तथा ICAR Curriculum पर आधारित है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य के सफल कृषि विशेषज्ञ, शोधकर्ता, एग्री-उद्यमी एवं एग्री-प्रोफेशनल के रूप में तैयार करना है।

उपलब्ध कार्यक्रम

स्नातक (Bachelor) कार्यक्रम –

- B.Sc. (Hons.) Agriculture - 4 वर्ष
  Eligibility: 10+2 Science (PCB/PCM/ABC)

स्नातकोत्तर (Postgraduate) कार्यक्रम –

- M.Sc. Agriculture - 2 वर्ष

OSGU क्यों चुनें? –

- ☑ UGC-Recognized Degree
- ☑ Govt. of Hry. Approved Program
- ☑ ICAR Curriculum-Based Education
- ☑ Practical Field Training
- ☑ आधुनिक प्रयोगशालाएं एवं कृषि फार्म
- ☑ अनुभवी एवं विशेषज्ञ संकाय
- ☑ Industry-Oriented Learning
- ☑ Placement Support

करियर के अवसर (Career Opportunities)

B.Sc. (Hons.) Agriculture तथा M.Sc. Agriculture के माध्यम से विद्यार्थी कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनेक प्रतिष्ठित करियर विकल्प प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षित कृषि स्नातकों के लिए सरकारी कृषि विभाग, कृषि अनुसंधान संस्थान, ICAR संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय, सीड एवं फर्टिलाइजर कंपनियां, एग्री-बिजनेस एवं एग्री-टेक कंपनियां, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, बैंकिंग एवं एग्रीकल्चर फाइनेंस, हॉर्टिकल्चर, कृषि विस्तार सेवाएं, कृषि सलाहकार (Agriculture Consultant), कृषि अधिकारी, रिसर्च साइंटिस्ट, गुणवत्ता नियंत्रण (Quality Control), शिक्षण एवं उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में रोजगार के उत्कृष्ट अवसर उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त विद्यार्थी आधुनिक खेती, जैविक कृषि, एग्री-स्टार्टअप, एग्री-इनपुट बिजनेस, फार्म मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, एग्री-एक्सपोर्ट तथा कृषि उद्यमिता (Agripreneurship) के माध्यम से स्वयं का सफल व्यवसाय भी स्थापित कर सकते हैं। सरकार द्वारा स्टार्टअप इंडिया, FPOs, कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड तथा विभिन्न कृषि योजनाओं के माध्यम से युवाओं को कृषि आधारित उद्यम शुरू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यदि आप 12वीं के बाद ऐसा करियर चुनना चाहते हैं जिसमें विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान, नवाचार और देश के कृषि विकास में योगदान देने के साथ-साथ बेहतर रोजगार एवं उद्यमिता की अपार संभावनाएं हों, तो B.Sc. (Hons.) Agriculture आपके लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 8607899999 ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार

ADMISSIONS ARE ALSO OPEN FOR PROGRAMS

RCI APPROVED COURSES CODE HR 056

★ B.Ed. Special Education (HI / VI / ID / LD / MD)
★ B.Ed. M.Ed. Special Education (3 Years Integrated Program in ID, SLD)
★ BA LLB/LLB
★ Pharm.D
★ B.Pharm
★ D.Pharm
★ BPT
★ B.Tech. - CSE - AIML, Cyber Security
★ B.Sc. Hotel Mgmt.

OM STERLING GLOBAL UNIVERSITY (Approved by UGC As per Section 2F of UGC Act - 1956)

NH-52, Hisar-Chandigarh Road, Hisar-125001
Website : www.osgu.ac.in
Contact No. 86078-99999, 82550-99999
FOLLOW US AT : YouTube

खबर संक्षेप

26 साल की युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

कैथल। पूंडरी गांव निवासी 26 साल की युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।पिता ने करनाल जिले के युवक पर बेटी को अपने साथ ले जाने का शक जताया है। शिकायत पर पुलिस ने युवती के अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी 26 साल की बेटी पूंडरी में कपड़े की दुकान में काम करती है। 17 की शाम ड्यूटी के बाद वह घर नहीं लौटी। पूंडरी और आसपास के क्षेत्रों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में लीगल लिटरेसी सेल के तत्वावधान में विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर छात्राओं के लिए ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कानूनी साक्षरता, मौलिक अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था के प्रति जागरूक करना था। प्रश्नोत्तरी में संविधान, महिला कानून, मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से संबंधित प्रश्न पूछे गए। डा. पिंकी ने बताया कि आज के समय में प्रत्येक छात्रा का कानूनी रूप से जागरूक होना बहुत आवश्यक है।

कल जंतर-मंतर पहुंचने की अपील : सुखदेव

नरवाना। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में नरवाना के युवाओं ने एकत्रित होकर अपना समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर सुखदेव उझाना व प्रवेश मलिक ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार हर नागरिक को है। सोनम वांगचुक पिछले कई दिनों से जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और उनका आंदोलन देशभर के युवाओं को प्रेरित कर रहा है। सुखदेव उझाना ने कहा कि जिस प्रकार आज सोनम वांगचुक को उनके धरना स्थल से जबरन हटाया गया।

नरवाना तहसील कार्यालय में धरना जारी

नरवाना। तहसील कार्यालय में संयुक्त किसान मोर्चे का धरना शनिवार को 1551 वें दिन भी मास्टर बलबीर सिंह राज्य अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान हरियाणा का धरना जारी रहा जिस की अध्यक्षता बलदेव सिंह ढाकल ने की और मंच संचालन जयपाल ने किया । मंच सांझा करते हुए मास्टर बलबीर सिंह राज्य अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा ने अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा तहसील नरवाना के शहीद किसान योद्धा साथी सुभाष चंद्र की पुण्यतिथि के पर शहीद के फोटो पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रताड़ित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

कैथल। थाना सदर क्षेत्र के एक गांव की बेटी के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में थाना सदर पुलिस की लेडी पीएसआई मनीतु द्वारा पीड़िता के पति गांव नैना निवासी आजाद को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता द्वारा पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 8 दिसंबर 2022 को आजाद उपरोक्त के साथ हुई थी। शिकायतकर्ता के परिवार जनो द्वारा उसकी शादी में हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था लेकिन उसके ससुरालजन उसे दान दहेज से खुश नहीं थे और उसके ससुराल जनों द्वारा शादी के बाद उसको दहेज की मांग करते शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा था।

जींद: डा. बीआर आंबेड़कर सोसायटी की बैठक आज

जींद। डा. बीआर आंबेड़कर वेलफेयर सोसायटी जींद की आम सभा की बैठक का आयोजन गुरु रविदास धर्मशाला सफीदों रोड जींद में किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता प्रधान राजेश पहलवान करेंगे। पूर्व महासचिव दलबीर अल्याहन ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-2026 का लेखा जोखा भी कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंहमार के द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसी वर्ष नई कार्यकारिणी का गठन भी किया जाना हैए इसको लेकर बैठक में विशेष विचार विमर्श किया जाएगा।

अंदर से बसें चलने से यात्रियों ने ली राहत की सांस

शहर के अंदर से बसों का आवागमन फिर से प्रारंभ

पीएम के कार्यक्रम को देखते नौ दिनों से बंद थी बसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 17 जुलाई के कार्यक्रम के कारण पिछले नौ दिनों से शहर के अंदर से बंद बसों का संचालन फिर से शुरू हो गया है। ऐसे में यात्रियों ने राहत की सांस ली है। वहीं बस स्टैंड परिसर में यात्रियों के लिए बंद पार्किंग परिसर को फिर से खोल दिया गया है। हाइड्रोजन ट्रेन के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री शुक्रवार को जींद पहुंचे थे। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा गोहाना रोड व सफीदों रोड पर पेचवर्क, दीवारों पर पेंटिंग व सजावट का काम चल रहा था। इस कारण शहर के अंदर से गुजरने वाली हांसी, असंध व नरवाना रूट की बसों का संचालन फ्लाईआवेर से किया गया था। आमतौर पर हांसी, हिसार, बरवाला, असंध, करनाल, कैथल लोकल, नरवाना रूट की बस बस स्टैंड से निकलकर गोहाना रोड से होते हुए लघु सचिवालय, नागिरक अस्पताल, पुराना बस स्टैंड, रानी तालाब, एसडी स्कूल, सफीदों गेट, रुपया चौक, सब्जी मंडी मोड़ से होते हुए पटियाला चौक पर बस जाती हैं। शहर में लघु सचिवालय, पुराना बस स्टैंड, रुपया चौक व पटियाला चौक से काफी संख्या में

जींद। शहर के अंदर से गुजरते हुए बसें। फोटो :हरिभूमि

यात्री इन रूट पर जाने के लिए बस पकड़ते हैं। यहां से उन्हें बस पकडऩे के लिए बस स्टैंड जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे यात्रियों का समय और आटो का किराया बचता है।

आठ जुलाई से बसों का संचालन फ्लाईओवर से हो रहा था। प्रधानमंत्री कार्यक्रम होने के बाद अब फिर से बसों का संचालन शहर के अंदर से कर दिया गया है। यात्रियों के लिए पार्किंग भी कर दी गई थी बंदः प्रधानमंत्री कार्यक्रम के लिए पहले पांडू पिंडारा में जनसभा रैली के लिए जगह निर्धारित की गई थी लेकिन वर्षा के चलते जनसभा स्थल को एकलव्य स्टेडियम के सामने हुडा ग्राउंड में शिफ्ट किया गया था। इस दौरान बस स्टैंड परिसर में यात्रियों के लिए पार्किंग को बंद कर दिया गया था। यात्री अपनेप परिजनों को बस स्टैंड के गेट पर ही छोड़कर चले जाते थे। अब पार्किंग भी फिर से बहाल होने पर यात्रियों ने राहत की सांस ली है। डिपो में जिलेभर में अलग-अलग रूटों पर 162 प्राइवेट बसें दौड़ रही हैं। इनमें नरवाना रूट पर 31, असंध रूट पर 16, गोहाना और बरवाला रूट पर 19, हांसी रूट पर 26, पुंडरी रूट पर तीन, जींद से पानीपत रूट पर 26, पिल्लूखेड़ा से रोहतक रूट पर पांच, नरवाना से हांसी रूट पर पांच, नरवाना से कैथल रूट पर 24 और नरवाना से हिसार रूट पर 20 निजी बसें शामिल हैं।

शहर से संचालन शुरू

जींद डिपो के महाप्रबंधक राहुल जैन ने बताया कि 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हाइड्रोजन ट्रेन का उद्घाटन करने जींद आए थे। वहीं एकलव्य स्टेडियम के सामने जनसभा को भी संबोधित किया था। इस कारण पिछले कुछ दिनों से हांसी, असंध व नरवाना रूट की बसों को फ्लाईओवर से निकाला जा रहा था। अब इन बसों का संचालन फिर से शहर के अंदर से कर दिया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते विशाल रेढू।

करियर एडवांसमेंट स्कीम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जींद। संत शिरोमणि श्री सैन भगत राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में सेवा, आचरण, नियम व कैरियर एडवांसमेंट स्कीम कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने हरियाणा सिविल सेवा नियम 2016 का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी, महाविद्यालय में नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों के लिए सेवा आचरण नियमों की जानकारी होना तथा उनका पालन करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से पूर्ण ईमानदारी तथा कर्तव्य के प्रति पूर्ण निष्ठा को प्रत्येक सरकारी कर्मचारी का मूल दायित्व बताया। एपीआई कन्वीनर डा. कृष्ण कुंडू ने अपने वक्तव्य में करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पदोन्नति की प्रक्रिया की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान रजिस्ट्रार विशाल रेढू ने सीआरएसयूआईयूएमएस पोर्टल के माध्यम से सिद्धांत एवं प्रायोगिक परीक्षाओं की संपूर्ण ऑनलाइन प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया कि पोर्टल पर छात्रों के लिए भी अनेक ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें ई सेवा के अंतर्गत ऑनलाइन सर्टिफिकेट रिक्वेस्ट पोर्टल के माध्यम से विभिन्न प्रमाण पत्रों हेतु ऑनलाइन आवेदन की सुविधा प्रदान की गई है।

उचाना। केवि बुडायन में पहुंचे गुरूग्राम संभाग के उपायुक्त चंद्रशेखर आजाद।

ईमानदारी-सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया

विद्यार्थियों को सफलता का दिया मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) गुरुग्राम संभाग के उपायुक्त चंद्रशेखर आजाद ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बुडायन का भ्रमण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद करते हुए शिक्षा, अनुशासन और जीवन मूल्यों पर आधारित महत्वपूर्ण संदेश दिए। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने एक प्रेरक प्रस्तुति (पीपीटी) के माध्यम से मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों, परीक्षा की निष्पक्ष एवं सुनियोजित तैयारी, लक्ष्य निर्धारण, अनुशासित अध्ययन तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों का सकारात्मक ढंग से सामना करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, आत्मविश्वास, ईमानदारी और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी भी चुनौती को सफलता में बदला जा सकता है। इसके बाद उपायुक्त ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ बैठक कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नवाचार, आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग तथा परीक्षा परिणामों में उत्कृष्टता लाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों से छात्र-केंद्रित शिक्षण पद्धति अपनाने, प्रत्येक विद्यार्थी पर व्यक्तिगत ध्यान देने और विद्यालय में सकारात्मक एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण विकसित करने का आह्वान किया। विद्यालय प्रशासन ने उपायुक्त के मार्गदर्शन को विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि उनके सुझावों से शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होगा चातुर्मास

- 25 से योगनिद्रा में जाएंगे भगवान विष्णु चार माह तक बंद रहेंगे मांगलिक कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

शहर के प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर के पुजारी पंडित सत्यनारायण शांडिल्य ने बताया कि देवशयनी एकादशी से चातुर्मास का शुभारंभ होगा। 25 जुलाई से भगवान विष्णु योगनिद्रा में जाएंगे, चार माह तक मांगलिक कार्य बंद रहेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, यज्ञोपवीत सहित सभी प्रमुख मांगलिक एवं शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु के योगनिद्रा में रहने के दौरान सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव संभालते हैं। चार माह बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठनी एकादशी) के दिन भगवान विष्णु जागृत होते हैं, जिसके बाद पुनः मांगलिक कार्यों का शुभारंभ होता है।

देवशयनी एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व

शांडिल्य ने कहा कि देवशयनी एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना, व्रत, भजन-कीर्तन एवं दान-पुण्य करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। श्रद्धालु इस दिन उपवास रखकर भगवान विष्णु की आराधना करते हैं और सुख-समृद्धि व परिवार की मंगलकामना करते हैं। चातुर्मास के चार महीनों में साधु-संत एक स्थान पर रहकर तप, जप, सत्संग और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। श्रद्धालुओं के लिए भी यह समय आध्यात्मिक साधना, संयम और धार्मिक कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

राजेश वशिष्ठ को मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

जींद। जींद जिले के लिए आगामी 20 का दिन बेहद गौरवशाली और ऐतिहासिक होने जा रहा है। शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके जिला समन्वयक (एफएलएन) एवं समाजसेवी राजेश वशिष्ठ को राज्य स्तर पर एक बड़े सम्मान से नवाजा जाएगा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सबसे प्रतिष्ठित और कठिन माने जाने वाले एसिस्टेंट लीडर ट्रेनर (एएलटी) कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत उन्हें यह सर्वोच्च सम्मान मिलने जा रहा है। यह सम्मान समारोह 20 जुलाई को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा लोक भवन में आयोजित होने वाली हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की वार्षिक राज्य परिषद की आम बैठक के दौरान आयोजित किया जाएगा। भव्य समारोह में महामहिम राज्यपाल जो किराज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्टेट एसोसिएशन के पदेन अध्यक्ष भी हैं।

कैबिनेट मंत्री ने जींद रैली में शामिल होने के लिए लोगों का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने प्रधानमंत्री की 17 जुलाई को जींद रैली में भारी तादाद में पहुंचने के लिए नरवाना क्षेत्रवासियों का आभार जताया। एक शॉर्ट कॉल पर नरवाना की जनता जनार्दन ने हजारों की संख्या में जींद पहुंचकर रैली को भीड़ के लिहाज से भी ऐतिहासिक बना दिया। पार्टी व संगठन के सभी पदाधिकारी, वरिष्ठ व आम कार्यकर्ता, क्षेत्र के सभी शहरी व ग्रामीण जनप्रतिनिधि इसके लिए बधाई के पात्र है। रैली में भीड़ जुटाने के लिए कार्यकर्ताओं ने पूरी लगन, मेहनत और

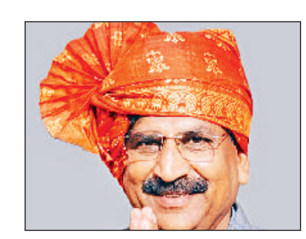

निष्ठा से निरंतर दिन-रात कार्य किया, इसके लिए उनका सहयोग काबिले तारीफ है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने जींद रैली के बाद नरवाना के कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान ये विचार व्यक्त किये। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि क्षेत्रवासियों ने जो आगाध स्नेह और प्यार बरसाया, उसके लिए वे व्यक्तिगत रूप से हमेशा ऋणी रहेंगे। इस आत्मीय प्रेम और मानवीय कर्ज को वे इलाका में और अधिक विकास कार्यों के माध्यम से चुकाने का प्रयास करेंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र की बहनों एवं माताओं के प्रति वे विशेष धन्यवादी है, जो हजारों की संख्या में ढोल नगाड़ों पर नाचती, मंगल गीत गाती, मोदी जी की जय- जयकार करती सभा स्थल पर पहुंची, उस मात्रशक्ति को कोटि-कोटि नमन करता हूं। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि विधानसभा क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण अंचल की महिलाओं का यह अपार प्यार उन्हें अपने जनसेवा के कर्तव्यों को निभाने के लिए और अधिक ऊर्जा व इच्छा शक्ति प्रदान कर गया है।

नरवाना। बच्चों को प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी देते हुए।

वेदांता किड्स स्कूल में एक्टिविटी का आयोजन

नरवाना। वेदांता किड्स इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सही प्राथमिक उपचार की जानकारी देने के उद्देश्य से एक विशेष फस्ट एड एक्टिविटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखते अभिनय एवं व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से प्राथमिक उपचार की महत्वपूर्ण विधियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने तीन अलग-अलग प्रस्तुतियों के माध्यम से चोट एवं फ्रैक्चर, जलने तथा बेहोशी जैसी आपातकालीन स्थितियों का सजीव एवं प्रभावशाली मंचन किया। पहली प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने बताया कि किसी व्यक्ति के चोटिल होने या फ्रैक्चर की स्थिति में घबराने के बजाय उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर घायल अंग को स्थिर रखना चाहिए तथा तुरंत चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। दूसरी प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने जलने की स्थिति में अपनाए जाने वाले प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन किया। तीसरी प्रस्तुति में बेहोशी की स्थिति का प्रभावशाली अभिनय प्रस्तुत किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा : डॉ. पुष्पा

जींद। जींद के हुड्डा ग्राउंड में आयोजित विकसित हरियाणा विकसित भारत रैली में भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने प्रधानमंत्री मोदी से मिल कर भाजपा सरकार की भुरी भुरी प्रशंसा करते हुए उनसे कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए अनेकों योजनाएं बनाई व उनको धरातल पर लागू किया। तायल ने मोदी से कहा कि उनकी सरकार ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया, महिलाओं के लिए पंचायत चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया व लोकसभा से लेकर विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। महिलाओं के सम्मान को ध्यान में रखते हुए महिला शौचालय की स्थापना करवाई। महिलाओं को न्याय दिलवाने के लिए महिला थानों की स्थापना की। महिला कालेज बनवाए। महिलाओं के कल्याण के लिए लाडो लक्ष्मी योजना, मातृत्व सुरक्षा योजना, सुकन्या समृति योजना आदि

प्रधानमंत्री को नमन करते हुए पुष्पा तायल।

अनेको योजनाएं बनाई व उनको धरातल पर लागू किया। तायल ने मोदी द्वारा हरियाणा को दी जाने वाली 14,721 करोड़ की परियोजनाओं के लिए धन्यवाद किया। तायल ने जींद से शुरू की जाने वाली भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के लिए मोदी की तारीफ की। मोदी ने पुष्पा तायल की तारीफ करते हुए कहा कि आप जैसी समर्पित कार्यकर्ता की बदौलत भाजपा तीसरी बार सत्ता में आई है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, मंडल अध्यक्ष मुकेश रामराय आदि मौजूद रहे।

जींद। जींद जंक्शन पर मौजूद छात्र। फोटो :हरिभूमि

हाइड्रोजन ट्रेन के प्रथम यात्री बने आधारशिला के छात्र

जींद। आधारशिला विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण रहा, जब वे भारत की प्रथम हाइड्रोजन ट्रेन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। यह अवसर न केवल उनके लिए एक शैक्षिणक भ्रमण था बल्कि देश की प्रगति, नवाचार और हरित भविष्य की दिशा में उठाए गए ऐतिहासिक कदम का साक्षी बनने का भी एक भावुक और गर्वपूर्ण अनुभव था। स्कूल की निदेशिका अंजू सिहाग व प्रधानाचार्य सतवीर सिंह गहलावत ने बताया कि भारत की इस अनूठी उपलब्धि ने सभी विद्यार्थियों के मन में देश के वैज्ञानिक विकास और आत्मनिर्भर भारत की भावना को ओर अधिक मजबूत किया है। विद्यार्थियों ने भी इस अनुभव को अपने जीवन का एक यादगार और गर्व से भरा पल बताया। उन्होंने कहा कि भारत की इस उपलब्धि का साक्षी बनना उनके लिए अत्यंत भावुक, प्रेरेणादायक और अविसमरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।

शिक्षा भारती स्कूल में शेप्स एंड आर्गन्स एक्टिविटी का आयोजन किया

आधुनिक शिक्षण पद्धतियों व रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को निखारा जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

भारती मॉडल स्कूल में नन्हे विद्यार्थियों के लिए शेप्स एवं सेंस ऑर्गन्स एक्टिविटी का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया।शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में नर्सरी से यूकेजी तक के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शेप्स एक्टिविटी एवं सेंस ऑर्गन्स एक्टिविटी का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष गतिविधि में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास और आनंद के साथ भाग लिया तथा विभिन्न

नरवाना। छोटे-छोटे बच्चे विभिन्न एक्टिविटी में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

शिक्षण सामग्रियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। शेप्स एक्टिविटी के दौरान बच्चों ने विभिन्न आकृतियों की पहचान की तथा रंग-बिरंगी गतिविधियों के माध्यम से उन्हें बनाना, पहचानना और उनका सही उपयोग करना सीखा। वहीं सेंस ऑर्गन्स एक्टिविटी में विद्यार्थियों ने पाँच ज्ञानेंद्रियों—आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा के कार्यों को मॉडल, चित्रों एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से समझा। बच्चों की प्रस्तुति, उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता ने सभी शिक्षकों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्या अनिल चहल एवं उप प्रधानाचार्य शिल्पा ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रारंभिक कक्षाओं में गतिविधि-आधारित शिक्षा बच्चों के मानसिक, बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास की मजबूत नींव रखती है। उन्होंने कहा कि खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया बच्चों को शिक्षा के प्रति आकर्षित करती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ाती है। विद्यालय के डायरेक्टर वीरेंद्र बिढ़ान चेयरमैन प्रवीण कुमार ने कहा कि प्रत्येक बच्चा अपने भीतर असीम संभावनाएँ लेकर आता है। विद्यालय का प्रयास है कि आधुनिक शिक्षण पद्धतियों एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा को निखारा जाए। सचिव सुनील कुमार ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते कहा कि शिक्षा भारती मॉडल स्कूल बच्चों के समग्र विकास के लिए निरंतर नवीन एवं प्रभावी शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा।

719 रोटावेटर और 667 लेजर लैंड लेवलर का लक्ष्य

- 21 जुलाई को ड्रा से होगा किसानों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किसानों को रोटावेटर एवं लेजर लैंड लेवलर कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने के कारण अब पात्र लाभार्थियों का चयन 21 जुलाई को पारदर्शी तरीके से ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि जिले में रोटावेटर के लिए 719 तथा लेजर लैंड लेवलर के लिए 667 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दोनों कृषि यंत्रों के लिए पात्र किसानों का चयन पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया के साथ-साथ दोनों कृषि यंत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्य का 25 प्रतिशत वेटिंग लिस्ट भी तैयार की जाएगी। यदि चयनित किसान निर्धारित समय के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूरी नहीं करता है या किसी कारणवश अनुदान का लाभ नहीं ले पाता तो प्रतीक्षा सूची में शामिल किसानों को क्रमवार योजना का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि अनुसूचित जाति एससी वर्ग के सभी पात्र किसानों को योजना के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित पात्रता शर्तों के अनुसार अनुदान का लाभ दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

मरीजों को मिल रही दिव्यांग पेंशन

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार द्वारा 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र नागरिकों को दिव्यांग पेंशन उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा वह हरियाणा का स्थाई निवासी एवं आवेदन करते समय तीन वर्ष से हरियाणा में रह रहा हो। उन्होंने बताया कि आवेदक की सभी स्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना से मिल रही मदद

कैथल। हरियाणा सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की सहायता के लिए क्रियान्वित की जा रही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांगजनों की शादी में एक बड़ा संबल साबित हो रही है।

डीसी अपराजिता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में आने वाली आर्थिक चिंता को दूर करना और समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

स्कूल में एनएसएस के तहत किया पौधरोपण

कैथल। दि माइलस्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान विद्यालय परिसर में लगभग 30 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अतुल शर्मा, पीजीटी यूनिट हेड पूनम विशिष्ट एवं एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर प्रशांत कुमार के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया।

विद्यार्थियों ने जाना लोकतंत्र का स्वरूप

ढांड। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जड़ौला में खंड स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संसदीय व्यवस्था से परिचित कराना तथा उनमें नेतृत्व, संचार, तर्क-वितर्क और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करना रहा। यह प्रतियोगिता जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ की संयोजक सुनीत चौधरी, एससीईआरटी हरियाणा, गुरुग्राम के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी सह डाइट प्राचार्य प्रमोद कुमार राणा के निर्देशन में आयोजित की जा रही है।

विद्यालय में एनसीसी भर्ती का आयोजन

सीवन। स्थानीय गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीवन में 10 हरियाणा बटालियन एनसीसी द्वारा एनसीसी कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया का सफलतापूर्वक आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश ढुल की अध्यक्षता में किया गया। इस चयन प्रक्रिया में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भर्ती प्रक्रिया के दौरान छात्रों की शारीरिक दक्षता (फिजिकल), मेडिकल फिटनेस और लिखित परीक्षा ली गई, जिसमें उनकी अनुशासन क्षमता, शारीरिक क्षमता और बौद्धिक स्तर का आकलन किया गया।

डॉ. जितेंद्र गिल ने बांटे सहिजन के पौधे

कैथल। नागरिक अस्पताल कैथल में भारतीय चिकित्सा परिषद, हरियाणा के सदस्य डॉ. जितेंद्र गिल ने सहिजन (मोरिंगा) के औषधीय एवं पोषण संबंधी महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से अधिक से अधिक सहिजन के पौधे लगाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को सहिजन के पौधे वितरित किए और सहिजन खाओ-सेहत बनाओ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। डॉ. जितेंद्र गिल ने कहा कि सहिजन को सुपर फूड के रूप में जाना जाता है। इसकी पत्तियां, फलियां और अन्य भाग विटामिन, खनिज, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन एवं अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

नवाचार आधारित शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

कैथल में अटल टिंकरिंग लैब प्रशिक्षण ने शिक्षकों में जगाया वैज्ञानिक दृष्टिकोण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। एटीएल प्रशिक्षण लेते अध्यापक व जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार शिक्षकों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिला कैथल में आयोजित चार दिवसीय अटल टिंकरिंग लैब प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ग्योंग तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शेरगढ़ में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के नवस्थापित 20 अटल टिंकरिंग लैब विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं संबंधित अध्यापकों ने सक्रिय भागीदारी की। इसके अतिरिक्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरी, बलबेड़ा, भागल, आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्योंग तथा मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चीका के अध्यापकों को भी पुनः उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जहां पहले से अटल टिंकरिंग लैब स्थापित हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार एवं सीएमजीजीए दिव्यता एवं खंड शिक्षा अधिकारी सीवन अनिल छाबड़ा ने प्रशिक्षण का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न नवाचार आधारित आइडिया, प्रोटोटाइप एवं मॉडल बनाने बारे विस्तरित जानकारी प्राप्त की ।

सीएमजीजीए दिव्यता ने प्रत्येक प्रतिभागी से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान, डिज़ाइन थिंकिंग, समस्या समाधान क्षमता तथा नवाचार संबंधी अवधारणाओं पर विस्तार से चर्चा की और शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक विचारों की सराहना की। प्रमोद कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचार की भावना विकसित करना है। अटल टिंकरिंग लैब इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुझे विश्वास है कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग विद्यालयों में किया जाएगा तथा विद्यार्थी केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए प्रयोग और नवाचार करने के लिए प्रेरित होंगे।

नियमित रूप से संचालित हों लैब

जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुशील कुमार ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, /"यह प्रशिक्षण तभी सार्थक होगा जब प्रत्येक विद्यालय में अटल टिंकरिंग लैब नियमित रूप से संचालित होगी। सभी शिक्षक विद्यार्थियों को लैब की गतिविधियों से जोड़ें, उन्हें नए विचार विकसित करने, समस्याओं के समाधान खोजने तथा विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से नवाचार करने के लिए निरंतर प्रेरित करें। जिला स्तर पर भी समय-समय पर मॉनिटरिंग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रतिभागियों को किया सम्मानित

सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने डिज़ाइन थिंकिंग, 3-डी मॉडलिंग, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर आधारित परियोजनाओं, नवाचार प्रक्रिया एवं प्रोटोटाइप निर्माण जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी सीवन अनिल छाबड़ा, उप अधीक्षक प्रवीण थरेजा,जिला नोडल कुशल कुमार,विनोद आर्य पुस्तकालय अध्यक्ष ग्योंग स्कूल,पीयूष कौशिक आदि उपस्थित रहे।

बाबा रोड़ा की 70वीं पुण्यतिथि पर दुड़ाना में लगा मेला

राजौंद। बाबा रोड़ा की गुरु महिमा का बख्यान करते रागी जत्थे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

बाबा रोड़ा

राजौंद के निकटवर्ती गांव दुड़ाना में बाबा रोड़ा की 70वीं पुण्यतिथि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दूर-दराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर बाबा रोड़ा के स्थान पर मत्था टेकते हुए मन्नतें मांगीं। दिनभर पड़ी भीषण गर्मी भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी।

मेला स्थल पर पूरे दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। गुरुवार सुबह अखंड पाठ का भोग डालकर दीवान सजाए गए। इस दौरान पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और राजस्थान से आए कीर्तन एवं ढाडी रागियों ने गुरु महिमा का गुणगान किया, जिसे श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से सुना। इस मौके पर सरपंच संदीप सिंह,काबल सिंह, रत्न सिंह,सरपंच अमर सिंह,सुबा सिंह, भूपेंद्र सिंह, शेर सिंह, इन्द्र सिंह चीमा, अंग्रेज सिंह,डा बलविंदर सिंह ने बताया कि बाबा रोड़ा 1947 में पाकिस्तान से अन्य पंजाबियों के साथ यहां आए थे। वे प्रारंभ से ही भक्ति और तपस्या में लीन रहते थे। गांव में ही साधना करते हुए 18 जुलाई 1957 को उन्होंने देह त्याग दी। तभी से हर वर्ष 18 जुलाई को उनकी स्मृति में इस मेले का आयोजन किया जाता है।

मान्यता है कि बाबा रोड़ा की समाधि पर जो भी श्रद्धालु सच्ची श्रद्धा से मत्था टेककर मन्नत मांगता है, उसकी इच्छा अवश्य पूर्ण होती है। इसी आस्था के चलते पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से भारी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मेले के सफल आयोजन में गांव के सभी लोगों का पूरा सहयोग रहता है, जिससे यह परंपरा लगातार निभाई जा रही है।

आकाश एजुकेशन की छात्रा तिजल नीट यूजी में बनी कैथल जिला टॉपर

- तिजल ने राष्ट्रीय स्तर पर हासिल की 370वीं रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। आकाश एजुकेशनल के अव्वल रहे विद्यार्थियों बारे जानकारी देते अधिकारी।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्लासरूम प्रोग्राम की छात्रा तिजल ने नीट (यू.जी.) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 370 हासिल की है। उन्होंने 720 में से 675 अंक प्राप्त कर कैथल जिला टॉपर टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। नीट के परिणामों में कैथल शाखा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। छात्रा तिजल ने 675 अंकों के साथ एआईआर 370 प्राप्त की। वहीं कनक मित्तल ने 651 अंक प्राप्त कर एआईआर 1385, पंकज ने 650 अंक प्राप्त कर एआईआर 1436, दीक्षा ने 613 अंक के साथ एआईआर 6453, तनीश जिंदल ने 611 अंक के साथ एआईआर 7080, विनती देओल ने 598 अंक के साथ एआईआर 10587, भावना ने 588 अंक के साथ एआईआर 14580 तथा ख्याति ने 579 अंक प्राप्त कर एआईआर 18477 हासिल की। एक बार फिर एईएसएल ने नीट (यू.जी.) 2026 में शानदार परिणाम देकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में सबसे विश्वसनीय संस्थान के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत किया है।

विधायक आदित्य सुरजेवाला ने क्योडक में कमरे और चारदीवारी का किया उद्घाटन

कैथल। कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने आज गांव क्योडक, गुलाबा पट्टी स्थित रविदासिया चौपाल में नवनिर्मित कमरे और चारदीवारी का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में ग्रामवासियों और रविदासिया समाज के सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला का स्वागत किया। लोगों ने उन्हें फूलों की मालाएं और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान चारों तरफ खुशी और उत्साह का माहौल रहा। विधायक आदित्य सुरजेवाला ने चौपाल में नया कमरा और चारदीवारी का निर्माण करवाया। अब समाज के लोग सामुदायिक बैठकें, धार्मिक आयोजन और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। समारोह को संबोधित करते हुए आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि रविदासिया समाज के साथियों की हर जायज मांग को प्राथमिकता देना मेरा परम कर्तव्य है। चौपाल के मुख्य द्वार का निर्माण भी जल्द से जल्द करवाया जाएगा।

कैथल। आदित्य सुरजेवाला रविदासिया चौपाल में कमरे का उद्घाटन करते हुए।

न्यूज डायरी

जलते सिलेंडर को बाहर निकाल टाला बड़ा हादसा

पाई। शुक्रवार रात्रि पाई में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां रहने वाले विजेंदर दूल के घर की रसोई में रखे एलपीजी सिलेंडर में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही परिवार में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते रसोई के किवाड़ व अन्य सामान जलकर राख हो गया। हादसे के वक्त विजेंदर दूल और उनके परिवार के लोगों ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। अपनी जान की परवाह न करते हुए परिवार के सदस्य जलते हुए सिलेंडर को तुरंत घर से बाहर खुले में ले आए। इसके बाद उन्होंने गीली बोरियों और तौलियों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। परिवार की इस तत्परता से सिलेंडर ब्लास्ट होने का बड़ा खतरा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। विजेंदर दूल के परिवार की इसी त्वरित सूझबूझ और बहादुरी की वजह से आज एक बड़ा जान-माल का नुकसान होने से बच गया। पूरे गांव में परिवार के इस साहसी कदम की जमकर तारीफ हो रही है।

कमेटी चेयरमैन रवीन्द्र सांगवान पहुंचे कलायत

कलायत। हरियाणा की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के महत्वपूर्ण केंद्र प्राचीन कपिल मुनि तीर्थ के संरक्षण एवं समग्र विकास की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। इसी उद्देश्य से 48 कोस तीर्थ प्रबंध कमेटी के चेयरमैन एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रवींद्र सांगवान ने शनिवार को कलायत पहुंचकर तीर्थ परिसर का निरीक्षण किया और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर कपिल मुनि तीर्थ प्रबंध कमेटी के प्रधान राजू कौशिक, महासचिव नंबरदार संजय सिंगला, पार्षद रवींद्र निर्मल बंटी, केडीबी के पूर्व सदस्य गोपाल सैनी, भूपेंद्र कंसल सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। सभी ने तीर्थ परिसर में प्रस्तावित विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए तीर्थ को धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित करने पर विचार-विमर्श किया।

हाईटेंशन बिजली लाइन दे रही हादसों को न्योता

पाई। पाई से पिलनी रोड पर स्थित रिंगबांध के पास से गुजर रही 11,000 वोल्ट की हाई टेंशन बिजली लाइन इस समय ग्रामीणों के लिए बड़ा खतरा बनी हुई है। बिजली के खंभों के बीच से गुजरने वाले ये हाई टेंशन तार खेतों और रास्तों के किनारे उगे पेड़ों की टहनियों से सीधे टकरा रहे हैं। नरेश ढुल एडवोकेट का कहना है कि यह स्थिति अत्यंत खतरनाक है। खासकर तेज हवा चलने या बारिश के दौरान इन पेड़ों में करंट उतरने का डर बना रहता है। उन्होंने बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तुरंत संज्ञान लिया जाए। ग्रामीणों ने अनुरोध किया है कि विभाग जल्द से जल्द अपनी टीम भेजकर बिजली लाइनों से टकरा रहे पेड़ों की छंटाई करवाएं ताकि किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान से बचा जा सके और क्षेत्र में निर्बाध व सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो।

खिलाड़ियों को खो-खो किट उपलब्ध करवाई

कलायत। गांव बालू स्थित शहीद नफे सिंह वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्राम पंचायत द्वारा खिलाड़ियों को खो-खो किट उपलब्ध करवाई गई। सरपंच प्रतिनिधि एडवोकेट साहिल बालू ने खेलों में भाग लेने वाले बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत खेल-खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रयासरत है। पंचायत की सोच युवाओं को खेलों की तरफ अग्रसर करना है। 12 से 15 वर्ष के बच्चों के लिए तो खेलों में प्रतिभागिता बहुत ही जरूरी है। देश के प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि 2036 का ओलंपिक भारत में होगा। ऐसे में बच्चों को खेलों में निपुणता हासिल करने के लिए अपने हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया की गांव के हर युवा को खेलों में आगे आने के लिए उनकी हर खेल जरूरत को ग्राम पंचायत पूरा करवाएगी।

आदर्श स्कूल ने जरूरतमंद बच्चों का थामा हाथ

राजौंद। शिक्षा तभी सार्थक होती है जब उसके साथ सेवा, संवेदना और मानवता का भाव भी जुड़ा हो। इसी सोच को साकार करते हुए आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जाखौली के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में विद्यालय परिवार ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को लोअर व टी-शर्ट वितरित किए। जिन बच्चों के लिए नई यूनिफॉर्म केवल जरूरत ही नहीं बल्कि एक सपना थी, उनकी मुस्कान ने सभी का दिल छू लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। आर्थिक अभाव किसी भी विद्यार्थी के सपनों के आड़े नहीं आना चाहिए।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में सामाजिक विज्ञान विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा चौथी से 7वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा और विषय की गहरी समझ का परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के कार्यवाहक प्राचार्य सुशील कुमार ने की। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने सौरमंडल, जैव मंडल, मिट्टी की परतें, राम मंदिर, आदर्श घर, कुतुब मीनार तथा वर्षा जल संचयन सहित अनेक विषयों पर आकर्षक मॉडल तैयार कर प्रस्तुत किए। कार्यवाहक प्राचार्य सुशील कुमार ने कहा कि सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि पुस्तकों से बाहर की दुनिया को समझने का प्रभावी माध्यम है।

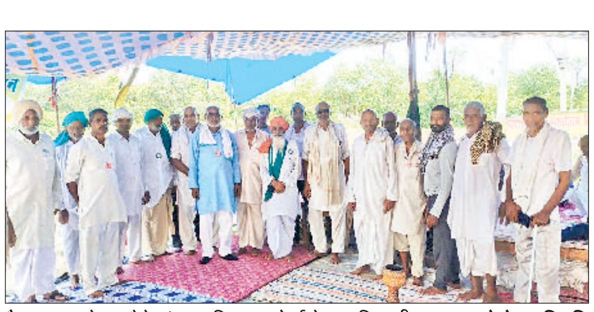

कैथल। धरने पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

ट्रेड डील का संयुक्त किसान मोर्चा ने किया विरोध

कैथल। संयुक्त किसान मोर्चा कैथल की एक आपातकालीन बैठक खुराना के कचरा प्लांट पर रखे गए 37 वें दिन के धरने पर संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित फैसले लिए गए। संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा द्वारा समर्थन किया गया है सरकार व प्रशासन या तो समय रहते इस कचरा प्लांट को यहां से बन्द किया जाए वरना गांवों की जो धरना कमेटी द्वारा जो फैसला होगा संयुक्त किसान मोर्चा पूर्ण रूप से समर्थन किया जाएगा। भारत और अमेरिका के बीच जो फरी ट्रेड डील के विरोध में जो संयुक्त किसान मोर्चा भारत द्वारा जो देश के भाजपा के सांसद हैं हरियाणा में 22 , 23 , 24 जुलाई 2026 को उनके आवासों का घेराव करके कृषि व्यापार समझौता के विरोध में ज्ञापन सौंपे जाएंगे कि सभी सांसद ट्रेड डील का विरोध करें। सरकार बिजली का निजिकरण करने को तैयार हैं जो 2025 बिजली बिल सरकार लेकर आई है उसके तहत गुरुग्राम और नूंह जिलो की बिजली कम्पनियों को बेचना चाहती है तो इसके विरोध के लिए 21 जुलाई 2026 को नूंह व गुरु ग्राम में संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा व बिजली कर्मचारी यूनियनें प्रदर्शन करके उपायुक्तों को ज्ञापन सोंपेंगे।

भाजपा शासन में कागजी पॉलीक्लिनिकों पर वेटरनरी सर्जनों की फर्जी नियुक्ति और तबादले

- सुरजेवाला ने सरकार पर लगाया हरियाणा में पशुपालन विभाग में बड़ा घोटाला करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

भाजपा सरकार के शासन में हरियाणा में पशुपालन एवं डेयरी विभाग में फर्जीवाड़े का नया मामला सामने आया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कैथल से प्रेसवार्ता करते हुए भाजपा सरकार व मुख्यमंत्री नायब सैनी पर आरोप लगाते हुए कहा कि जहां केवल 6 जिलों में वास्तविक पशु पॉलीक्लिनिक संचालित हो रहे हैं, वहां 21 जिलों में "कागजी पॉलीक्लिनिक" दिखाकर वेटरनरी सर्जनों की नियुक्तियां की गईं और उनके तबादले भी किए जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इस मामले को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे "पशुओं के साथ हेराफेरी" करार दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल भिवानी, रेवाड़ी, सिरसा, रोहतक, पानीपत और जींद में पशु पॉलीक्लिनिक कार्यरत हैं। इसके बावजूद अन्य जिलों में भी पॉलीक्लिनिक के नाम पर वेटरनरी सर्जनों की पोस्टिंग और ट्रांसफर ऑर्डर जारी किए जा रहे हैं।

महादान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 88 यूनिट रक्त संग्रहित

रक्तदान जरूरतमंद को नया जीवन देने का बड़ा माध्यम

गांव फतेहपुर के सतगुरु रविदास मंदिर में लगा शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

रक्तदाताओं को बैंज लगाकर सम्मानित करते विधायक सतपाल जांबा।

सामाजिक संस्था "एक किरण उम्मीद की" की ओर से शनिवार को गांव फतेहपुर स्थित सतगुरु रविदास मंदिर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं, महिलाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान के प्रति लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे दिन चले शिविर में 88 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदाताओं को संस्था की ओर से सम्मानित भी किया गया। शिविर में विधायक सतपाल जांबा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे श्रेष्ठ दान है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है।

'एक किरण उम्मीद की' संस्था की सराहना

उन्होंने 'एक किरण उम्मीद की' संस्था की सराहना करते हुए कहा कि संस्था स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रही है। ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करते हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक समिति सदस्य अर्चना शर्मा, फतेहपुर के सरपंच सोहनलाल वर्मा, सरपंच लाभ सिंह जांबा, सरपंच गुरजिंदर हाबड़ी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा महादान है, जिसकी जरूरत किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। संस्था की अध्यक्ष निधि मोहन ने सभी अतिथियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मानवता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचाने में सहायक बन सकता है। संस्था भविष्य में भी इसी तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। शिविर के सफल आयोजन में परवीन मित्तल, मुनीश मित्तल, बलविंदर वालिया और राकेश शर्मा ने कार्यक्रम संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कई दिनों तक लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक किया तथा शिविर का सफल संचालन किया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन सुनील गोगत और श्रवण सिंगला ने किया। इस अवसर पर सतगुरु रविदास मंदिर समिति के सदस्यों को समाज सेवा एवं शिविर में विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

छात्र आर्यन ढांडा

मनदीप चहल।

नीट में छाए एमडी स्कूल राजौंद के विद्यार्थी

राजौंद। एमडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजौंद के लिए गर्व का विषय है कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल अपने अभिभावकों बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र आर्यन ढांडा ने 720 में से 590 अंक प्राप्त किए, जबकि मनदीप चहल ने 720 में से 578 अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक देशराज चहल और प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने बधाई दी।

राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर त्रुटि सुधार का आह्वान

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अनुसूचित जाति अन्य पिछड़ा वर्ग ए आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग एवं विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू ए वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सूचना जारी करते हुए कहा है कि हरियाणा सरकार द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल को पुनः खोलने का प्रस्ताव जारी किया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी नए आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में किए गए त्रुटिपूर्ण आवेदनों में सुधार कर सकेंगे तथा लंबित सत्यापन प्रक्रिया को भी पूर्ण किया जा सकेगा। एबीवीपी जींद विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष सतविंदर ढिल्लो ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण एवं आवेदन, त्रुटि सुधार की संभावित अवधि 18 जुलाई से 31 जुलाई तक निर्धारित की गई है। परिषद ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते अपने आवेदन पूर्ण करें तथा यदि किसी आवेदन में कोई त्रुटि या आपत्ति लगी हुई है तो उसे निर्धारित अवधि के भीतर अवश्य ठीक कर लें।

परीक्षाओं में धांधली पर किया जाएगा सत्याग्रह

कलायत। दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के खिलाफ पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुग को दिल्ली पुलिस द्वारा उठाए जाने व अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट की घटना के विरोध में कलायत में छात्र-युवाओं के समर्थन में एक दिवसीय सत्याग्रह आयोजित किया जाएगा। यह सत्याग्रह 19 जुलाई को सुबह गोशाला मार्किट में होगा। कलायत जागरूक नागरिक मंच प्रवक्ता जसविन्द्र राणा ने बताया कि देशभर के युवा अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार और शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण ने लाखों मेहनती युवाओं के सपनों को तोड़ने का काम किया है। ऐसे समय में समाज के हर जागरूक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह युवाओं की इस न्यायपूर्ण लड़ाई के साथ खड़ा हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चल रहे ऐतिहासिक छात्र-युवा आंदोलन के समर्थन में कलायत के नागरिक लोकतांत्रिक तरीके से अपना समर्थन दर्ज कराएंगे।

न्यायिक परिसर में चेक बाउंस के 129 मामलों पर हुई सुनवाई

विशेष लोक अदालत में 47 मामलों का निपटारा, 2.47 करोड़ का सेटलमेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिला मुख्यालय स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार चेक बाउंस से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरपर्सन पूनम सुनेजा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान आपसी सहमति के आधार पर 47 मामलों का निस्तारण करते हुए दो करोड़ 47 लाख 68 हजार 102 रुपए की राशि का सेटलमेंट कराया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अमित सिहाग ने बताया कि विशेष बेंचों में जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम सुनेजा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयवीर सिंह, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिफा, करण सिंह, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट विवेक सिंह, पारिन्द्र सिंह, जश्नप्रीत सिंह, महक, योगेश कौशिक, नरवाना के न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी गुप्ता एवं एकमजोत कौर, सफीदों के न्यायिक मजिस्ट्रेट अमनदीप, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित नैन तथा अनीशा रानी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत में कुल 129 मामलों को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था। इनमें से 47 मामलों का दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही सौहार्दपूर्ण समाधान कराया गया। इन मामलों में कुल दो करोड़ 47 लाख 68 हजार 102 रुपये की राशि का सेटलमेंट हुआए जिससे संबंधित पक्षों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली।

जींद। विशेष लोक अदालत में मामलों का निपटारा करते न्यायाधीश।

आपसी सहमति से निपट रहे मामले

अमित सिहाग ने कहा कि लोक अदालत न्याय प्राप्त करने का सबसे सरल सस्ता और प्रभावी माध्यम है। इसमें मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया जाता है। साथ ही पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध भी बने रहते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने लंबित मामलों के निस्तारण के लिए लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मचारियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम का आभार व्यक्त किया।

कैथल। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश। *फोटो : हरिभूमि*

विशेष लोक अदालत में 198 चेक बाउंस मामलों का हुआ निपटारा

- 5.74 करोड़ रुपये से अधिक राशि के विवाद सुलझे

कैथल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंचन माही के मार्गदर्शन में शनिवार को न्यायिक परिसर में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) की धारा-138 के अंतर्गत लंबित चेक बाउंस मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि विशेष लोक अदालत में धारा-138 के कुल 3,258 लंबित मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया था। इनमें से 198 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन मामलों में 5 करोड़ 74 लाख 56 हजार 44 रुपये की राशि से संबंधित विवादों का सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान हुआ।

जींद। आदमपुर विधायक का स्वागत करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिशिपाल हैबतपुर व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

ओबीसी समाज पकड़ रहा कांग्रेस का हाथ : चंद्रप्रकाश

- जिला मुख्यालय में बैठक कर कांग्रेस को सशक्त करने का लिया संकल्प
- ओबीसी समाज के अधिकारों और सामाजिक न्याय पर हुआ मंथन : रिषिपाल हैबतपुर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

झूठ का इंद्रजाल खड़ा कर हरियाणा में भाजपा जिस तरह से तीन बार सत्ता की सीढ़ी चढ़ी वह शनिवार को हरियाणा की हार्ट स्थली जींद में टूटता हुआ नजर आया। कांग्रेस ओबीसी सेल की शनिवार को जिला मुख्यालय में हुई बैठक में ओबीसी समाज के लोगों ने ना केवल भाजपा के भ्रमजाल को तोड़ने का संकल्प लिया अपितु उसके साथ-साथ सीधे तौर पर हाथ का साथ पकड़कर 2029 में सत्ता परिवर्तन का ऐलान कर दिया। कांग्रेस जिला मुख्यालय पर जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आदमपुर के विधायक एवं ओबीसी सेल हरियाणा के चेयरमैन चंद्र प्रकाश ने शिरकत की। बैठक में जिले भर से कांग्रेस के सभी ओबीसी समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सरपंच, पंच, पार्षद, जिला पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी, युवा और महिला शक्ति शामिल हुईं। इस दौरान ओबीसी समाज के लोगों ने जहां कांग्रेस को सशक्त करने के लिए संकल्प लिया वहीं भाजपा को झूठी पार्टी करार देते हुए जमकर कोसा।

उठी मांगें

बैठक में सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से तुरंत जातिगत जनगणना कराने की मांग की गई ताकि ओबीसी की सही आबादी के हिसाब से योजनाएं और आरक्षण तय हो सकें। बैठक में महंगाई के कारण ओबीसी की क्रीमी लेयर की सीमा आठ लाख से बढ़ाकर 15 लाख करने, बैकलॉग भर्ती, सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में ओबीसी का जो बैकलॉग है उसे भरने की मांग उठाई गई। ओबीसी छात्रों की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति तुरंत जारी की जाए और निजी कॉलेजों में फीस माफी की योजना लागू करने की आवाज बुलंद हुई। पंचायतों और नगर निकायों में ओबीसी को आबादी के अनुपात में आरक्षण देने की मांग बुलंद हुई। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुभाष देसवाल, सांसद प्रतिनिधि वजीर गंगोली, धर्मपाल प्रधान, पवन दुहन, डा. रमेश पांचाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाइड्रोजन ट्रेन से बढ़ा गौरव : अत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 17 जुलाई का दिन जींद के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जींद से एशिया की पहली तथा विश्व की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे पूरे हरियाणा और विशेष रूप से जींद जिले का गौरव बढ़ा है।

अत्री ने कहा कि यह हाइड्रोजन ट्रेन पहले केवल चार देशों में संचालित होती थी और भारत में इसकी शुरुआत जींद से होना ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि 10 डिब्बों वाली यह ट्रेन देश की सबसे बड़ी हाइड्रोजन ट्रेन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में जींद से अपने पुराने संबंधों का उल्लेख कर क्षेत्र के लोगों के प्रति आत्मीयता का परिचय दिया।

उचाना। पीएम नरेंद्र मोदी का अभिवादन करते हुए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

विकास कार्य जारी

देवेंद्र अत्री ने कहा कि विकसित भारत, विकसित हरियाणा और विकसित उचाना का संकल्प निश्चित रूप से पूरा होगा। उन्होंने बताया कि उचाना विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से जारी हैं और विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। चुनाव के दौरान जनता से किए गए सभी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले उचाना में परिवारवाद और क्षेत्रवाद की राजनीति हावी रही, लेकिन भाजपा ने विकास और जनसेवा की राजनीति को प्राथमिकता देते हुए ऐसी राजनीति का अंत करने का कार्य किया है। अब क्षेत्र में समान विकास और पारदर्शी व्यवस्था के साथ जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं।

नियमित सफाई से नियंत्रित होगा डेंगू : रामदयाल

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोघड़िया के अंतर्गत गांव मोहनगढ़ में जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मुख्याध्यापक नितेश की अध्यक्षता में स्कूल के बच्चों को डेंगू रोधी माह के तहत मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान नुक्कड़ सभाएं भी की गई बच्चों को जागरूक करते हुए कहा कि ट्रिपल सी फार्मूला अपनाए और घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। एमपीएचडब्ल्यू रामदयाल, रीना एवं सुमन ने बताया कि डेंगू फैलाने वाला एडीज एजिप्टी मच्छर साफ एवं रुके हुए पानी में पनपता है तथा दिन के समय अधिक सक्रिय रहता है। इसलिए प्रत्येक परिवार को अपने घर में रखे कूलर, पानी की टंकियों, फ्रिज के पीछे की ट्रे, पशुओं की होदी, गमलों, पुराने टायरों तथा अन्य पानी के बर्तनों की नियमित जांच करनी चाहिए कि उनमें मच्छरों का लार्वा तो नहीं पनप रहा। उन्होंने कहा कि इन सभी जल पात्रों को सप्ताह में कम से कम एक बार अच्छी तरह साफ करें तथा हमेशा ढककर रखेंए ताकि मच्छरों को अंडे देने का अवसर न मिले। उन्होंने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए ट्रिपल .सी फार्मूला सबसे प्रभावी उपाय है। चेक अर्थात पानी के सभी स्त्रोतों की नियमित जांच करें, क्लीन अर्थात सप्ताह में एक बार उन्हें पूरी तरह साफ करें तथा कवर अर्थात सभी पानी के बर्तनों को ढककर रखें। इनसे मच्छर नहीं पनपेंगे।

जींद। मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक करते हुए स्वास्थ्यकर्मी।

एक दिन ड्राई डे मनाएं

अभियान के दौरान ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि सप्ताह में एक दिन ड्राई डे अवश्य मनाएं, घरों के आसपास जलभराव न होने दें, टूटे बर्तन, पुराने टायर एवं अनुपयोगी सामान में पानी जमा न होने दें तथा पूरी बाजू के कपड़े पहनें। जरूरत पड़ने पर मच्छरदानी और मच्छररोधी उपायों का भी उपयोग करें। साथ ही जहां संभव होए जलभराव वाले स्थानों को भरने और नियमित सफाई रखने की सलाह दी गई।

आईटीआई में सीट अलॉटमेंट के बाद दाखिला प्रक्रिया शुरू

- पहले दिन 67 विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश, अभ्यर्थियों को जमा करवानी होगी ऑनलाइन फीस
- सीट अलाटमेंट वाले विद्यार्थी 21 जुलाई तक करवा सकेंगे काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) कैथल में 17 जुलाई को जारी प्रथम सीट अलॉटमेंट के तहत शनिवार से काउंसलिंग एवं दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले दिन विभिन्न ट्रेडों में 67 अभ्यर्थियों ने दाखिला लिया। संस्थान प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को सुचारु एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए हैं तथा विभिन्न कार्यों के लिए दाखिला कमेटी का गठन किया गया है। संस्थान प्रशासन के अनुसार प्रथम सीट अलॉटमेंट प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी 21 जुलाई तक अपने दस्तावेजों का सत्यापन कराकर काउंसलिंग पूरी कर सकते हैं। दस्तावेज सत्यापन के बाद अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश शुल्क जमा करवाना अनिवार्य होगा। फीस जमा होने के बाद ही उनका दाखिला अंतिम रूप से माना जाएगा। राजकीय आईटीआई कैथल ने अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए काउंसलिंग के लिए विशेष तैयारी की है। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अलग-अलग हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। विभिन्न ट्रेडों के अनुसार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि दस्तावेजों की जांच और प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। संस्थान प्रशासन ने बताया कि दाखिला प्रक्रिया रविवार को भी जारी रहेगी।

कैथल। राजकीय आईटीआई कैथल में काउंसलिंग में पहुंचे विद्यार्थी।

अगली अलॉटमेंट का करें इंतजार

आईटीआई कैथल के दाखिला इंचार्ज सतीश सैनी ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों के अंक कम होने के कारण पहली सीट अलॉटमेंट में नाम नहीं आया है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। आगामी सीट अलॉटमेंट सूची में रिक्त सीटों के आधार पर उन्हें भी अवसर मिल सकता है।

रोजगार मेले में 63 का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

केएम राजकीय महाविद्यालय, नरवाना में आज एनआईआईटी, आईएफबीआई द्वारा रोजगार मेले के प्रथम चरण का सफल आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत आयोजित साक्षात्कार के पश्चात कुल 63 विद्यार्थियों का अगले चरण के लिए चयन किया गया। साक्षात्कार पैनल का नेतृत्व मनोज कश्यप ने किया। प्लेसमेंट सेल की संयोजक कनिका सिकरी ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यार्थियों को आगामी रूपरेखा बताई गई।

नरवाना। रोजगार मेले में जानकारी देते हुए मनोज कश्यप। *फोटो : हरिभूमि*

कॅरियर को मिलेगी नई दिशा

इस अवसर पर राजेश श्योकंद, रेणु शर्मा, आरती शर्मा, वंदना तथा डॉ. अमरजीत भी उपस्थित रहे। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें ऐसे रोजगार अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. मीनू सिंह ने इस सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे रोजगार मेले विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़ने और अपने करियर को नई दिशा देने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पौधा लगाना और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेना हर व्यक्ति का दायित्व : अनिल आर्य

पूंडरी। वेद प्रचार मंडल जिला कैथल आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा व पर्यावरण संस्कृति संरक्षण मंच के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को एचएसवीपी कालोनी में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आजकल जहां लोग अपना जन्मदिन पार्टियों और फिजूलखर्ची के साथ मनाते हैं, वहीं पर्यावरण मंच अपने गठन के समय से ही जन्मदिन वैवाहिक वर्षगांठ व अन्य आयोजनों के मौके पर पौधरोपण कर ने एक बेहद सराहनीय और प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। शुक्रवार को पूंडरी निवासी कार्तिक पुत्र राहुल ने मंच व मंडल सदस्यों के साथ मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर 5 पौधे लगाए गए। वेद प्रचार मंडल के जिलाध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि केक और मोमबत्ती से ज्यादा जरूरी ऑक्सीजन है। कोरोना काल में शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में कोई नुकसान नहीं हुआ।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

सहकारी चीनी मिल में चला स्वच्छता अभियान

कैथल। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को कैथल सहकारी चीनी मिल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में मिल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और परिसर एवं कार्यस्थलों की साफ-सफाई की।

अभियान का शुभारंभ मिल के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार ने किया। इस अवसर पर मिल के मुख्य रसायनविद् कमलकांत तिवारी, उप मुख्य अभियंता ए.एच. जुबैरी, लवलेश शर्मा, रामपाल तंवर, शमशेर कुंडु, सुरेश शर्मा, सुशील तंवर, मुकेश सांच, पवन शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रयास समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष कवायद की जाए : डीसी

- विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने कहा कि जिले में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए स्कूल छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा विद्यालयों से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाए। सर्वे कर ऐसे बच्चों का पता लगाया जाए और उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। शनिवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने शिक्षा विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समग्र शिक्षा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने कहा कि समग्र शिक्षा योजना का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, समान और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराना है।

जींद। वीसी में भाग लेते हुए डीसी डॉ. वैशाली शर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

निजी विद्यालयों को लेकर भी दिए निर्देश

उपायुक्त ने निजी विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ताकि अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं, मिड डे मील, विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों, डिजिटल संसाधनों तथा अन्य योजनाओं की नियमित निगरानी की जाए ताकि सभी सुविधाओं का लाभ विद्यार्थियों तक समय पर पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी देवी आदि उपस्थित रहे।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

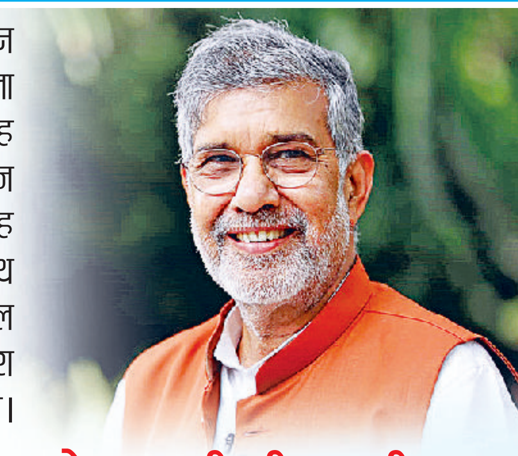

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

– संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 19 जुलाई 2026

{ लोक-संस्कृति / शिखर चंद जैन }

दुनिया के अनेक देशों की संस्कृतियों में बादल और बारिश को उम्मीद, समृद्धि और जीवन का संदेशवाहक माना जाता है। इसी खुशी को अलग-अलग देशों में अनूठे उत्सवों, लोक-परंपराओं, प्रार्थनाओं, नृत्य और सामुदायिक अनुष्ठानों के जरिए उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। वर्षा ऋतु से जुड़े ऐसे ही कुछ उत्सवों पर एक नजर।

दुनिया भर में मनाते हैं रंग-बिरंगे वर्षा उत्सव

वर्षा प्रार्थना महोत्सव, वियतनाम

मार्च के शुष्क मौसम में वियतनाम के हा जियांग प्रांत में लो लो समुदाय के लोग पारंपरिक नृत्य और प्रार्थना के माध्यम से बादलों से पानी बरसाने की गुहार लगाते हैं। इसमें तांबे के प्राचीन ड्रम बजाना और पुजारी (शमन) द्वारा प्राकृतिक शक्तियों को प्रसन्न करने वाले मंत्रोच्चार शामिल होते हैं, जिसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन होता है। वियतनाम का एक अन्य श्वेत थाई अल्पसंख्यक समुदाय जेन, बारिश के आगमन पर फोन महोत्सव मनाता है। यह उत्सव उत्तर-पश्चिमी वियतनाम की माई चाऊ की खूबसूरत घाटी में होता है। इस उत्सव में गांव के लोग पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाते हैं, सामूहिक रूप में लोक गीत गाते हैं और अच्छी बारिश की कामना के लिए अनुष्ठान करते हैं। वियतनाम में रहने वाले जराई समुदाय के लोग प्ली ओई नामक वर्षा प्रार्थना उत्सव, किसी राष्ट्रीय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थल पर सामूहिक तौर पर मनाते हैं। यह आयुन हा कम्यून और जिया लाई प्रांत में मनाया जाता है। *

मकाहिकी उत्सव, अमेरिका

अमेरिका के हवाई द्वीप में मनाया जाने वाला मकाहिकी उत्सव वर्षा ऋतु, उर्वरता और शांति के देवता 'लोनो' को समर्पित है। चार महीनों तक चलने वाले इस पारंपरिक लोक उत्सव में कृषि कार्यों को रोककर दावतें, संगीत और पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं। भरपूर वर्षा और उससे उपजी फसल के लिए देवता को धन्यवाद दिया जाता है। इस उत्सव के दौरान किसी भी तरह का विवाद, झगड़ा करना वर्जित होता है। सभी मिलकर प्रेम और सौहार्द के साथ सामूहिक तौर पर पहली बारिश का जश्न मनाते हैं। *

बरशा बंदोना, बांग्लादेश

हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में आषाढ़ महीने के पहले दिन मनाए जाने वाले इस उत्सव बरशा बंदोना में संगीत, कविता पाठ और साल की पहली बारिश में स्नान करने की अनूठी परंपरा है। इस उत्सव में ग्रामीण महिलाएं आसमानी नीले रंग की साड़ियां पहनकर बादलों का स्वागत करती हैं। वर्षा का आह्वान करती हैं। *

हरियाली तीज पर झूला झूलती महिलाएं

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व साओ जोआओ

भारत में मनाए जाने वाले वर्षा उत्सव

अपने देश भारत के अलग-अलग भागों में भी बारिश के आगमन पर, इसके स्वागत के लिए कई पारंपरिक उत्सव मनाए जाते हैं।

हरियाली तीजः राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों के ग्रामीण और आंचलिक क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के आगमन पर प्रकृति की हरियाली और बादलों का स्वागत करने के लिए हरियाली तीज पर्व मनाते हैं। इस पर्व से धार्मिक आस्था भी जुड़ी हुई है। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और व्रत रखती हैं। इसके अलावा आपसी समुदाय और आस-पड़ोस की महिलाएं किसी बाग-बगीचे में सामूहिक तौर पर झूला झूलती हैं और पारंपरिक लोकगीत गाती हैं।

साओ जोआओः मानसून की शुरुआत में गोवा में मनाया जाने वाला अनोखा त्योहार है, साओ जोआओ। इस पर्व में युवा मानसूनी बारिश के पानी से भरे कुओं और तालाबों में कूदकर प्रकृति के इस उपहार का जश्न मनाते हैं। इस उत्सव पर लोग सिर पर फलों के मुकुट भी पहनते हैं। इस तरह यह पर्व प्रकृति से हमारे जुड़ाव और उस पर निर्भरता को प्रकट करता है।

सापुतारा मानसून महोत्सवः गुजरात राज्य में मनाया जाने वाला सापुतारा मानसून महोत्सव, भारत के चुनिंदा उत्सवों में से है जो विशेष रूप से आसमान में तैरते बादलों, धुंध और बारिश के मनोरम मौसम को समर्पित है। इस पर्व से भी स्थानीय लोक संस्कृति की कई परंपराएं जुड़ी हुई हैं।

लोंगटैटो महोत्सव, चीन

चीन में मनाए जाने वाले पारंपरिक त्योहार लोंगटैटो में लोग बारिश के देवता माने जाने वाले 'ड्रैगन' के प्रति अपनी आदरांजलि अर्पित करते हैं, ताकि वे प्रसन्न रहें और उनकी कृपा से पूरे वर्ष कृषि के लिए अच्छी वर्षा होती रहे। 'लोंगटैटो' का शाब्दिक अर्थ 'अजगर (ड्रैगन) का अपना सिर उठाना' होता है। प्राचीन काल में चीन के निवासियों का मानना था कि इस दिन के बाद बारिश बढ़ जाती है, क्योंकि बारिश लाने वाला ड्रैगन राजा अपनी सर्दियों की नींद से जाग जाता है। इस त्योहार की सबसे प्रसिद्ध परंपरा इस दिन बाल कटवाना है। चीनी लोगों का मानना है कि इस दिन नाई के पास जाना या बाल कटवाने से दुर्भाग्य दूर होता है और पूरे साल अच्छी किस्मत बनी रहती है। इस दिन लोग 'ड्रैगन' नाम से जुड़े या ड्रैगन के अंगों का प्रतीक माने जाने वाले व्यंजन खाते हैं, जैसे- ड्रैगन की मूंछों वाले नूडल्स (लॉन्गक्सू नूडल्स) और पकौड़ी, ताकि अच्छी फसल और मौसम के लिए अपने भोजन के जरिए भी प्रार्थना की जा सके। *

लक्ष्य निर्धारण से मिलेगी करियर में निश्चित सफलता

बदलते दौर में किसी करियर में सफल होने के लिए केवल मेहनत नहीं, बल्कि निश्चित लक्ष्य और सही दिशा का होना भी जरूरी है। स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को अवसर पहचानने, बेहतर निर्णय लेने और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देते हैं। अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करें, किस तरह उसे प्राप्त करें, बहुत उपयोगी सलाह।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / नरेंद्र कुमार }

मशहूर करियर काउंसलर रिचर्ड एन. बोलस ने अपनी किताब 'व्हाट कलर इज योर पैराशूट' में लिखा है, 'करियर में ऊंची उड़ान भरनी है तो पहले अपनी मंजिल तय करें।' तकनीक, एआई, ऑटोमेशन और बदलते रोजगार बाजार ने करियर की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। आज सफलता केवल कड़ी मेहनत से नहीं मिलती बल्कि उस सही दिशा से मिलती है, जिसे लक्ष्य निर्धारण या गोल सेटिंग कहा जाता है।

लक्ष्य देता है स्पष्ट दिशाः मानव मस्तिष्क तब सबसे प्रभावी ढंग से काम करता है, जब उसे स्पष्ट उद्देश्य हासिल होता है। मनोविज्ञान बताता है कि लक्ष्य हमारे ध्यान, ऊर्जा और निर्णयों को एक दिशा में केंद्रित करते हैं। बिना लक्ष्य के व्यक्ति अनेक काम करता है, लेकिन उसकी ऊर्जा बिखर जाती है। जबकि स्पष्ट लक्ष्य उसे बताते हैं कि कौन-सा काम महत्वपूर्ण है और कौन-सा बिना किए भी चल जाएगा। यही कारण है कि उद्यमी, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और प्रशासक अपने बड़े उद्देश्यों को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटकर काम करते हैं।

गोल सेटिंग से बढ़ती उत्पादकताः स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को समय का महत्व समझाता है। जब किसी व्यक्ति के पास निर्धारित लक्ष्य होता है, तो वह लगातार सीखने के लिए प्रेरित होता है। मसलन यदि किसी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनना है तो नेटवर्किंग, क्लाउड सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और एआई आधारित सुरक्षा प्रणालियों का लगातार अध्ययन करता है। वास्तव में यही सीखने की प्रवृत्ति भविष्य में उसकी बड़ी ताकत बनती है।

निर्णय लेना सीखिएः करियर में हर दिन छोटे-बड़े निर्णय लेने होते हैं- नई नौकरी स्वीकारें या नहीं, कौन-सा कोर्स करें, किस तकनीक को सीखें, किस अवसर को छोड़ दें? ये ऐसी बातें हैं जो हर उस व्यक्ति के सामने आती ही आती हैं, जो अभी अपने करियर में आगे बढ़ने की दिशा में होता है। ऐसे में यदि आपका लक्ष्य स्पष्ट है तो निर्णय लेना सरल हो जाता है, क्योंकि हर विकल्प को उसी कसौटी पर परखा जाता है कि वह हमें हमारे उद्देश्य के कितना निकट ले जाएगा।

छोटे-छोटे लक्ष्य प्राप्त करेंः जब व्यक्ति छोटे लक्ष्य पूरा करता है तो उसका अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ने लगता है। वास्तव में यही आत्मविश्वास उसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और यही आत्मविश्वास बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसका आधार बनता है। करियर की लंबी यात्रा में यह मानसिक ताकत बेहद जरूरी होती है।

बदलें अपनी रणनीतिः जिन लोगों के पास कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता, वे एक समय के बाद ठहर जाते हैं। कोई परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं देती है। ऐसे में वे बार-बार असफल होने लगते हैं। लेकिन जिनके पास अपने लक्ष्य की स्पष्ट दिशा होती है, वे इन बातों से परेशान नहीं होते। वे अपनी रणनीति बदलते हैं, सीखते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं।

मजबूत नेटवर्क बनाएंः जब व्यक्ति के करियर का अपना लक्ष्य तय होता है, तो वह अपने तय लक्ष्य के वरिष्ठों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग मजबूत करता है, क्योंकि उसे पता होता है कि आज नहीं तो कल उसे इन्हीं के साथ काम करना है। यह नेटवर्क इसके लिए बहुत काम का साबित होता है। *

ऐसे डिसाइड करें टार्गेट

कुछ करियर काउंसलर लक्ष्य तय करने के मामले में एक स्मार्ट मॉडल अपनाने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार ऐसे लक्ष्य बनाएं, जो बिल्कुल स्पष्ट हों, जिसे हासिल किया जा सके, यानी जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल हों। लक्ष्य ऐसा हो, जो वर्तमान समय में प्रासंगिक करियर हो, जिस तक एक समयबद्ध रफ्तार से पहुंचा जा सके।

{ नेचुरल प्लेस / बाल मुकुंद ओझा }

स्टेपिंग स्टोंस खूबसूरत रिवर क्रॉसिंग

लंदन, दुनिया के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां अगर तापमान 22 डिग्री सेल्सियस हो तो यह अच्छे मौसम का परिचायक माना जाता है। लंदन प्रवास के दौरान एक दिन ऐसे ही अनुकूल मौसम का फायदा उठाते हुए हमने सपरिवार घूमने का प्रोग्राम बनाया और पहुंच गए बॉक्स हिल की तलहटी पर बहने वाली मोल नदी पर बने मशहूर स्टेपिंग स्टोंस पर।

खूबसूरत वॉकिंग प्लेसः मोल नदी, दक्षिणी इंग्लैंड में टेम्स नदी की एक सहायक नदी है। यह गैटविक एयरपोर्ट के पास वेस्ट ससेक्स में निकलती है और सरे शहर से उत्तर-पश्चिम में 80 किमी. बहकर हैंपटन कोर्ट पैलेस में टेम्स नदी तक पहुंचती है। यह नदी सरे जिले के मोल वैली को अपना नाम देती है। यह खूबसूरत वॉकिंग प्लेस, साउथ लंदन स्थित हमारे घर से लगभग 50 किमी. दूर ही है। स्टेपिंग स्टोंस, सरे काउंटी स्टेट के इस हिस्से में एक मशहूर जगह है और नदी को बहते हुए बिल्कुल करीब से देखने के लिए यह एक परफेक्ट जगह है।

इसे पार करना है रोमांचकः स्टेपिंग स्टोंस, पत्थरों का एक सेट है, जिसे एक काम चलाऊ रास्ता बनाने के लिए लगाया गया है। यह पैदल चलने वालों को एक प्राकृतिक नदी के रास्ते से होकर ले जाता है। ये स्टोन यानी पत्थर विक्टोरियन जमाने से बॉक्स हिल आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा स्थल रहे हैं। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक, पत्थर से पत्थर पर कदम रखते हैं और बिना फिसले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं। ये बैलेंस ब्लॉक, शारीरिक गतिविधि और सक्रिय प्रयास को बढ़ावा देते हैं। विशेषकर बच्चे, किशोर और युवाओं को ये स्टेपिंग स्टोंस, पूरे शरीर के व्यायाम के लिए कूदने, खिंचाव, चढ़ाई और संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैंने भी नदी को इन लगभग 15 स्टेपिंग स्टोंस पर चलकर पार किया। कई बार बैलेंस बिगड़ा मगर तुरंत संभल भी गया। एक बारगी तो ऐसे लगा जैसे इस बार तो गिर ही जाऊंगा, मगर इन स्टेपिंग स्टोंस को आखिर पार कर ही लिया।

दूसरी तरफ हैं शानदार नजारेः एक बार स्टेपिंग स्टोन पार करने के बाद, रास्ता नदी के साथ-साथ चलता है, जहां से पानी और आस-पास की मंत्र मुग्ध कर देने वाली हरियाली के खूबसूरत नजारे दिखते हैं। बॉक्स हिल स्टेपिंग स्टोंस वॉक, सरे हिल्स नेशनल लैंडस्केप में 3.2 किमी. का हाइकिंग रूट है। लगभग 1 घंटे में 477 फीट की चढ़ाई चढ़ लेते हैं। वॉक का यह हिस्सा थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत रोमांचक है। *

बराक नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि ब्रह्मपुत्र के बाद उत्तर-पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था, कृषि, संस्कृति और पारिस्थितिकी की दूसरी महत्वपूर्ण जीवन रेखा है। इस नदी की विशेषताओं के बारे में जानिए।

पूर्वोत्तर भारत की दूसरी जीवन रेखा बराक नदी

{ विशिष्ट नदी / वीना गौतम }

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदी किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं व संस्कृतियां फली-फूली हैं। पूर्वोत्तर भारत की नदियों की बात करें, तो ब्रह्मपुत्र के बाद बराक नदी, दूसरी महत्वपूर्ण नदी है। बराक नदी के बारे में कहा जाता है कि यह केवल एक जलधारा नहीं है बल्कि एक जीवंत सभ्यता, संस्कृति और पारिस्थितिकी का आधार है।

उद्गम और अपवाह तंत्रः बराक नदी मणिपुर से निकलती है और असम की बराक घाटी से होकर बहती है। बराक घाटी से आगे बढ़कर यह बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है और वहां यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बन जाती है। मणिपुर में जहां बराक नदी का जन्म होता है, वहां यह छोटी-छोटी धाराओं के रूप में आगे बढ़ती है और फिर आगे चलकर एक विशाल नदी का रूप ले लेती है। इसकी कुल लंबाई 900 किलोमीटर है और इसका प्रवाह क्षेत्र मणिपुर, मिजोरम और असम है। बांग्लादेश में घुसने के बाद यह दो धाराओं में बंट जाती है। एक सूरमा और दूसरा कुशियारा। जब यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बनकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है, उस समय यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलधारा का रूप ले लेती है।

पारिस्थितिकीय महत्वः बराक नदी का बेसिन जैव-विविधता का समृद्ध केंद्र है। घने वनों, वेटलैंड और मैदानों से भरपूर इलाकों से गुजरती बराक नदी, दर्जनों किस्म की मछलियों, सैकड़ों किस्म के बहुरंगी पक्षियों और मीठे अन्न की उपजाऊ फसलों का समृद्ध ठिकाना है। इस नदी में नियमित बाढ़ आती है। लेकिन यह बाढ़ यहां जितना प्रत्यक्ष नुकसान करती है, उससे कई गुना ज्यादा अपने साथ उर्वरक मिट्टी लाकर खेती का जरिया भी बनती है।

पूर्वोत्तर की कृषि-अर्थव्यवस्था में योगदानः पूर्वोत्तर के कृषि जीवन में इस नदी का योगदान ब्रह्मपुत्र नदी से भी ज्यादा है। असम के लाखों लोगों के जीवन जीने का यह मुख्य आधार है। धान, जूट और सब्जियों की खेती, इस नदी के उर्वरक मिट्टी की देन है। बाढ़ के कारण यह हर साल जो उपजाऊ मिट्टी लेकर आती है, वह एक तरह से उत्तर पूर्व का खाद्यान्न भंडार भरती है। असल में यह नदी जल परिवहन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। बराक नदी केवल जल का नहीं बल्कि कृषि, रोजगार और आर्थिक स्थिरता का भी स्रोत है।

ऐतिहासिक-सामाजिक-सांस्कृतिक महत्वः बराक नदी के किनारे बसे गांवों में त्योहारों पर अकसर मेलों का आयोजन होता है, जो जल और प्रकृति दोनों के प्रति आस्था और श्रद्धा का आधार हैं। बराक नदी के किनारे बंगाली और दूसरे समुदायों का निवास है, जिनकी सांस्कृतिक पहचान में इस नदी का महत्वपूर्ण योगदान है। इतिहास में बराक नदी ने उत्तर-पूर्व को अन्य क्षेत्रों से जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया था। प्राचीन और मध्यकाल में यह व्यापारिक मार्ग रही है। सिलचर जैसा सांस्कृतिक शहर इसी नदी के किनारे विकसित हुआ है।

संरक्षण है जरूरीः उत्तर-पूर्व की यह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण नदी कई तरह की समस्याओं, जैसे- प्रदूषण, अवैध रेत खनन, जलवायु परिवर्तन आदि का सामना कर रही है। यदि इसका संरक्षण न हुआ तो पूर्वोत्तर भारत की यह दूसरी जीवनरेखा संकट में पड़ सकती है। *

मर्लिन मुनरो से इंस्पायर रहीं बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस

हॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रहीं मर्लिन मुनरों ने दुनिया भर के दर्शकों को ही नहीं, हिंदी सिनेमा की कई फेमस एक्ट्रेसेस को भी इंस्पायर किया। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल एक एक्ट्रेस को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उस खूबसूरती, ग्लैमर और व्यक्तित्व के प्रभाव को समझने का भी समय है।

{ ग्लैमर आइकन / डी. जे. नंदन }

साल 2026, 20वीं सदी की सबसे मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक मर्लिन मुनरो का जन्मशती वर्ष है। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल हॉलीवुड के लिए खास नहीं है, बॉलीवुड के लिए भी यह विशेष है। क्योंकि बॉलीवुड में भी मर्लिन मुनरो के ग्लैमर ने न केवल अपनी स्थाई छाप छोड़ी है बल्कि आज भी बॉलीवुड के ग्लैमर में मर्लिन मुनरो की साफ-साफ मौजूदगी देखी जा सकती है। हालांकि मर्लिन ने कभी-भी बॉलीवुड की कोई फिल्म नहीं की, लेकिन उनकी छवि, उनका ग्लैमर, उनका फैशन सेंस और कैमरे के सामने उनकी सहज आत्मविश्वास से भरी मौजूदगी ने बॉलीवुड की कई पीढ़ियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित किया है।

मधुबाला

जीनत अमान

बॉलीवुड पर प्रभावः वास्तव में 1950 और 1960 के दशक का भारतीय सिनेमा, परिवर्तन के दौर का सिनेमा था। पहले जहां नायिकाएं सादगी और पारंपरिक पहनावों तक सीमित रहती थीं, वहीं धीरे-धीरे आधुनिक परिधान, पश्चिमी फैशन और कहीं ज्यादा आत्मविश्वासी नायिका पर्दे पर दिखाई देने लगीं, जिसमें मर्लिन मुनरो के ग्लैमर का साफ-साफ असर देखा जा सकता है। भारतीय फिल्मों की नायिकाओं ने मर्लिन मुनरो से बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ उनकी तरह बनने और ढलने की भी कोशिश की है। मर्लिन मुनरो की मुस्कान, कैमरे के सामने संवाद अदा करने का उनका अंदाज, बॉडी लैंग्वेज और फैशन ने भारतीय फिल्मकारों को यह एहसास कराया कि ग्लैमर भी अभिनय की भाषा का हिस्सा हो सकता है।

मर्लिन मुनरो से मधुबाला की तुलनाः बॉलीवुड की जिस नायिका पर सबसे पहला और सबसे ज्यादा मर्लिन मुनरो का असर दिखा, वह मधुबाला थीं। उस दौर में अकसर मधुबाला की तुलना मर्लिन मुनरो से की जाती थी। दोनों ही असाधारण सुंदर थीं, दोनों के पास सहज मुस्कान का जबर्दस्त जादू था और दोनों ही कम उम्र में असमय मृत्यु को प्राप्त हुईं। हिंदी सिनेमा के दर्शक मधुबाला को मर्लिन मुनरो की तरह देखते थे। हालांकि दोनों की अभिनय शैली और फिल्मी यात्रा एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। फिर भी यह सच है कि दोनों अपने-अपने देशों में सौंदर्य और आकर्षण का स्थाई प्रतीक बन गईं। मधुबाला की लोकप्रियता भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में विकसित हुई, जबकि मर्लिन वैश्विक पॉप कल्चर की पहचान बनीं।

परवीन बॉबी-जीनत अमान पर प्रभावः परवीन बॉबी की भी तुलना कई संदर्भों में मर्लिन मुनरो से की जाती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि अगर पश्चिमी ग्लैमर की सबसे साफ झलक बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री में आजतक सबसे ज्यादा दिखी है, तो वह परवीन बॉबी ही थीं। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने भारतीय फिल्मों में आधुनिक, आत्मनिर्भर और फैशनेबल महिला की नई छवि प्रस्तुत की थी। पश्चिमी परिधान, खुले विचार और कैमरे के सामने सहज आत्मविश्वास ने उन्हें उस दौर की सबसे अलग अभिनेत्री बना दिया था। ऐसे ही जीनत अमान ने एक दौर में न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पारंपरिक परिभाषा को बदला था बल्कि वह भी पश्चिमी फैशन, मर्लिन मुनरो की तरह बड़े-बड़े धूप के चश्मे, स्टाइलिश गाउन पहनने और आत्मविश्वास से बॉलीवुड की सिने स्क्रीन को अपनी मौजूदगी से चौंधिया दिया था। हालांकि जीनत अमान या परवीन बॉबी के बारे में यह नहीं कह सकते कि वे सीधे-सीधे मर्लिन मुनरो को कॉपी करती थीं। इन दोनों ग्लैमरस एक्ट्रेसेस ने मुनरो से प्रेरणा तो ली थी, लेकिन उन्होंने अपना ग्लैमर भारतीय संदर्भों में विकसित किया था।

दीपिका पादुकोण

करीना कपूर

इन एक्ट्रेसेस पर भी दिखा असरः 1980-90 के दशक में श्रीदेवी ने ग्लैमर और अभिनय का वैसा ही संतुलन पेश किया था, जैसा कभी मर्लिन मुनरो ने हॉलीवुड में किया था। श्रीदेवी के अभिनय में उनका गजब का आकर्षण शामिल होकर उन्हें अद्वितीय बनाता था। बाद की पीढ़ियों में करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण भी अपने ग्लैमर के प्रदर्शन में मर्लिन मुनरो से प्रेरित दिखाई पड़ी हैं। *

ड्रेसिंग स्टाइल-फोटो शूट पर भी दिखा असर

बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो का सबसे ज्यादा और गहरा प्रभाव किसी चीज पर पड़ा है, तो वह है कॉस्ट्यूम डिजाइन। यह अकारण नहीं है कि बॉलीवुड की हीरोइनों के बीच सफेद और आइवरी कलर के गाउन सबसे ज्यादा आकर्षण बिखेरते रहे हैं, जो कि मर्लिन मुनरो के सबसे ज्यादा पसंदीदा थे। मर्लिन मुनरो की तरह ही बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने हॉफ शोल्डर और हॉल्टर नेक ड्रेस को अपनी पहचान से बार-बार जोड़ा है। उन्हीं की तरह प्लेटिनम या हल्के सुनहरे बालों का प्रयोग, लाल लिपस्टिक, क्लासिक मेकअप तथा कैमरे की ओर हल्की मुस्कान के साथ पोज देने की शैली, ये सब कुछ बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने मर्लिन मुनरो से ही सीखा। ड्रेसिंग स्टाइल के अलावा फिल्म पत्रिकाओं में अनेक अभिनेत्रियों ने वैसे ही फोटो शूट कराए जैसे एक जमाने में मर्लिन मुनरो कराती थीं। घुमावदार रोशनी, क्लोज अप मुस्कान और क्लासिक हेयर स्टाइल, ये सभी प्रभाव बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो से ही आए हैं। आज भी कई सेलिब्रिटी फोटो शूट पोज में ओल्ड हॉलीवुड थीम अपनाते हैं, जिसमें मर्लिन मुनरो की शैली सबसे खास होती है।